राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 19 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-323 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'मेरे बयान को तोड़मरोड़ कर पेश किया, सपने में भी बाबा साहेब का अपमान नहीं कर सकता', कांग्रेस पर बरसे अमित शाह

(एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने राज्यसभा में बाबा साहेब आंबेडकर पर दिए गए उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया और कहा कि वह सपने में भी संविधान निर्माता का अपमान नहीं कर सकते हैं। शाह ने यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''कल से कांग्रेस ने जिस तरह से तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर रखने का प्रयास किया है, वह अत्यंत निंदनीय है। मैं इसकी निंदा करना चाहता हूं।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि शाह ने राज्यसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया। मुख्य विपक्षी दल ने शाह के संबोधन का एक वीडियो अंश भी जारी किया जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं कि ''अभी एक फैशन हो गया है- आंबेडकर, आंबेडकर...। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।'

कांग्रेस आंबेडकर की विरोधी है- अमित शाह

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वक्ताओं ने संविधान पर, संविधान की रचना के मूल्यों पर और जब-जब कांग्रेस या भाजपा का शासन रहा, तब शासन ने संविधान के मूल्यों का किस तरह से मूल्यांकन, संरक्षण और संवर्धन किया, इस पर तथ्यों और अनेक उदाहरण के साथ भाजपा के वक्ताओं ने विषय रखे। उन्होंने कहा, ''इससे तय हो गया कि कांग्रेस आंबेडकर की विरोधी पार्टी है। कांग्रेस आरक्षण विरोधी और संविधान विरोधी पार्टी है। कांग्रेस ने सावरकर का भी अपमान किया। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर संविधान के सारे मूल्यों की धज्जियां उड़ा दी। नारी सम्मान को भी वर्षों तक दरकिनार किया।'

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'जब संसद में चर्चा चल रही थी, तो यह साबित हो गया कि किस तरह कांग्रेस ने बाबा साहेब अंबेडकर का विरोध किया था। किस तरह कांग्रेस ने बाबा साहेब की मृत्यु के बाद भी उनका मजाक उड़ाने की कोशिश की... जहां तक भारत रत्न

देने की बात है, तो कांग्रेस के नेताओं ने कई बार खुद को भारत रत्न दिया है।

नेहरू ने 1955 में खुद को भारत रत्न दिया, इंदिरा ने 1971 में खुद को भारत रत्न दिया और बाबा साहेब को 1990 में भारत रत्न मिला, जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में नहीं थी और भारतीय जनता पार्टी समर्थित सरकार थी। अंबेडकर के प्रति नेहरू की नफरत जगजाहिर है।'

भूटान करता रहा ना-ना, चीन ने डोकलाम के पास बसा डाले आठ गांव

भारत की चिंताएं बढ़ी, ड्रैगन अपनी हरकतों से नहीं आ रहा बाज

नई दिल्ली।

चीन के साथ गलवान घाटी में विवाद सुलझने के बाद सब-कुछ पहले जैसा नॉर्मल हो गया है तो सोचना गलत हैं। ड्रैगन अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। चीन भूटान की सरजमीं पर इतना कुछ कर रहा है लेकिन भूटान ने इसपर चुप है। भूटान भले ही भारत को अपना मित्र मानता हो लेकिन वह चीन से उससे कहीं ज्े यादा खौफ खाता है। भूटान के इसी डर ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी है। भूटान पिछले कई सालों से इस क्षेत्र में चीन द्वारा लगातार बस्तियां बसाए जाने की बात से इनकार करता रहा है। पिछले कुछ सालों में भूटानी अधिकारियों ने भूटान के क्षेत्र में चीनी बस्तियों की उपस्थिति से इनकार किया है। उधर, दूसरी ओर सेटेलाइट इमेज से कुछ तस्े वीर सामने आई हैं। शी जिंगपिन सेना भारत-चीन-भूटान के ट्राई जंक्शन पर जो कुछ कर रही है, उसने सभी को हैरान कर दिया है। सेटेलाइट इमेज से यह पता चला है कि डोकलाम के नजदीक वाले क्षेत्र में चीन ने आठ नए गांव बसा लिए हैं। डोकलाम वही क्षेत्र है जहां साल 2017 में भारत

और चीन के बीच विवाद हुआ था, जिसके चलते दोनों सेनाओं के सैनिकों के बीच करीब 73 दिनों तक गतिरोध बना रहा था। तब जैसे-तैसे यह मामला सुलझा था लेकिन इसके बाद से ही चीन इस क्षेत्र में अपने दावे को मजबूत करने के लिए इस तरह से गांव को बसा रहा है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि चीन ने पिछले आठ सालों में पारंपरिक रूप से भूटान का हिस्सा रहे इस क्षेत्र में कम से कम 22 गांव को बसा दिया है। भूटान के पूर्व पीएम लोटे शेरिंग ने 2023 में बेल्जियम के एक समाचार पत्र से यह कहकर हलचल मचा दी थी कि चीनी की भूटान की टेरिटरी में कोई मौजूदगी नहीं है।

पहला कॉलम

पुलिस वैन को तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर, एक की मौत, दो घायल

जयपुर। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर ट्रक ने खड़ी पुलिस वैन को टक्कर मार दी, जिसमें सवार एक पुलिसकर्मी की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरा कांस्टेबल और ट्रक ड्राइवर घायल हो गए हैं। हादसा राजाधोक टोल प्लाजा के पास मंगलवार देर रात हुआ। पिछले सात दिन में जयपुर जिले में हुई सड़क दुर्घटनाओं में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो चुकी है। बस्सी थाना अधिकारी ने बताया कि थाने की पीसीआर राजाधोक टोल प्लाजा पर खड़ी थी। इसमें एक हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल अतर सिंह (55) सिंह ड्यूटी दे रहे थे। अतर सिंह पीसीआर के ड्राइवर थे। दोनों रात में टोल के पास ही एक ढाबे पर खाना खाने के बाद गाड़ी में बैठने जा रहे थे। हेड कॉन्स्टेबल जीप में पहले ही बैठ गए थे। इसी दौरान जीप के पास पहुंचते ही जयपुर से भरतपुर की तरफ जा रहे ट्रक ने जीप में जोरदार टक्कर मार दी ट्रक तेज रफ्तार में था कि वहां खड़े दो अन्य वाहनों को भी चपेट में ले लिया। हादसे की सूचना मिलने पर बस्सी थाने का स्टाफ मौके पर पहुंचा। ट्रक भी क्षतिग्रस्त हो गया। अतर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वह पिछले तीन साल से बस्सी थाने में तैनात थे। लोगों ने ट्रक ड्राइवर रामकेश मीणा को बाहर निकाला और हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया है।

संभल में फिर मिला एक और मंदिर, अब तक कुल तीन मंदिर मिले.....प्रशासन जांच में जुटा

संभल (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश का संभल शहर प्राचीन मंदिर मिलने के बाद से चर्चा में आ गया है। संभल में लगातार बंद पड़े हिंदू मंदिर मिल रहे हैं। इसी कड़ी में यहां एक और पुराना मंदिर मिल गया है। यानी यहां अब तीसरा मंदिर मिला है। फिलहाल, प्रशासन जांच कर रहा है। बताया जा रहा है कि यह मंदिर तकरीबन 14 साल से बंद पड़ा होने की वजह से खंडहर में बदल गया है। इतना ही नहीं बल्कि अंदेशा है कि कोई यहां की मूर्तियां तक उठा ले गया। संभल में यहा मंदिर चंदौसी के लक्ष्मणगंज इलाके में स्थित है। बताया जा रहा है कि यह खंडहर हो चुका है। इतना ही नहीं 14 साल से बंद होने की वजह से मूर्तियां भी निकालकर ले गए। बताया जा रहा है कि इलाके के माहौल बदलने के बाद मंदिर बंद हो गया था। अंदेशा है कि इस मंदिर में पूजा करने वालों के पलायन करने की वजह से मंदिर की देखभाल ही बंद हो गई. इस वजह से यह मंदिर बंद हो गया। फिलहाल, प्रसाशन जांच कर रहा है। संभल के अजीजपुर असदपुर में प्रशासन को एक और कुंआ मिला है। जिसकी जांच होगी। बता दें कि संभल में 22 कुंए होने की बात कही जा रही है जिसमें से प्रशासन ने मंदिर के कुंए और खग्गू सराय मस्जिद के पास मिले कुंए की जांच की है। प्रशासन ने एक और कुंए की जानकारी जुटाई है। ये इलाका हयात नगर इलाके का है। यहां प्रशासन की टीम से तहसीलदार कब्जा देखने गए थे। जिन्होंने कुंए की जगह की फोटो ली हैं और पूरी जानकारी ली है। प्रशासन का कहना हैं कि जिन 19 कूपों की जानकारी संभल के नक्शे में दी गई है। क्या यह कुआं उनमें से एक है या नहीं अब इसकी जांच की जाएगी।

चीन की दो ट्रक लहसुन किसानों ने पकड़ाई

जावरा । भारत सरकार ने 2014 से चीन की लहसुन को भारत में प्रतिबंधित कर रखा है। चीन की लहसुन में ऐसे रसायन होते हैं। जिनसे कैंसर का खतरा होता है। इसके बाद भी चीन की लहसुन भारत के कई राज्यों में बिक रही है। चीन के लहसुन की कली बड़ी होती है। देखने में सुंदर लगती है। जिसके कारण इसकी मांग भारत में ज्यादा रहती है। भारतीय लहसुन की तुलना में इसकी कीमत कम होती है। जावरा पुलिस ने मंगलवार की रात करीब 9 बजे चीन की लहसुन के दो ट्रक पकड़े हैं। इसमें वहां के स्थानीय किसानों ने मदद की है। पुलिस ने मंडी अधिकारियों को लहसुन के सैंपल और दस्तावेज दिए हैं। मंडी के अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह लहसुन अफगानिस्तान के काबुल से बाघा बॉर्डर होकर बेंगलुरु गई थी। बेंगलुरु से जावरा भेजी गई थी। मंडी निरीक्षक पुरुषोत्तम भावसार ने लहसुन की जांच कराने की बात कही है। इसके बाद समुचित कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान के करौली में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस, कश्मीर में जम गए जलाशय

35 सबसे ठंडे शहरों में से 10 मध्य प्रदेश के

नई दिल्ली ।

देश में इनदिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। राजस्थान,पंजाब, मध्य प्रदेश और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में तापमान न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है। कई इलाकों में शीतलहर का कहर जारी है, जबकि दक्षिणी राज्यों में बारिश का अलर्ट है। जहां राजस्थान के करौली में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सीकर और उदयपुर सहित कई जगहों पर गाड़ियों पर बर्फ जम गई। अगले 4-5 दिन यहां ठंड और शीतलहर जारी रहेगी। वहीं पंजाब के फरीदकोट में पहली बार रात का तापमान 0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अबोहर में पारा 0.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूरे राज्य में औसत तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

वहीं देश के उत्तर भाग में जम्मू-कश्मीर में ठंड का प्रकोप चरम पर है। श्रीनगर में डल झील के साथ कई जलाशय जमने लगे हैं। बारामूला के तंगमर्ग में 30 मीटर ऊंचा द्रंग झरना ठंड के कारण जम गया है।

इस बार देश के मध्य में स्थित मध्यप्रदेश में भी सर्दी नए आयाम स्थापित कर रही है। देश के 35 सबसे ठंडे शहरों में से 10 मध्य प्रदेश के हैं। पचमढ़ी में तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। भोपाल में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस रहा, जहां लगातार चौथे दिन शीतलहर चली। यह दिसंबर में एक नया रिकॉर्ड है। वहीं दूसरी ओर देश के दक्षिण भाग में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल और पुडुचेरी में अगले 3 दिनों तक भारी बारिश की संभावना है। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में 45-55

किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है।

19 दिसंबर को राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में शीतलहर जारी रहेगी। वहीं तमिलनाडु, पुडुचेरी, आंध्र और केरल में बिजली चमकने के साथ भारी बारिश होगी।

20 दिसंबर को ओडिशा और दक्षिण भारत में बारिश की संभावना। राजस्थान में घना कोहरा और शीतलहर का अनुमान। हिमाचल और पंजाब में पाला पड़ने की संभावना है।

21 दिसंबर को पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में शीतलहर। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में बारिश और तेज हवाओं का अनुमान।

किसान आंदोलन के बीच कृषि मामलों की स्टैंडिंग कमेटी ने सौंपी रिपोर्ट, एमएसपी लागू करने की सिफारिश

नई दिल्ली।

संसद की कृषि मामलों की स्टैंडिंग कमेटी ने अपनी सिफारिशों में न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कथित रूप से किसानों की आत्महत्या की वजह से कर्ज माफी की सिफारिश की है। इस कमेटी के चेयरमैन कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी हैं। रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा गया है।

कमेटी ने तर्क देकर कहा हैं कि इस तरह के उपाय से किसानों के आत्महत्या के मामलों में काफी कमी आ सकती है और उनकी (किसानों को) वित्तीय स्थिति बेहतर की जा सकती है। कांग्रेस सांसद चन्नी की अध्यक्षता वाली कृषि, पशुपालन और फूड प्रोसेसिंग पर संसद की स्थायी समिति ने कानूनी रूप से गारंटीशुदा एमएसपी के संभावित लाभ पर प्रकाश डालते हुए संसद को एक रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में कहा गया कि कमेटी दृढ़ता से अनुशंसा करती है कि कृषि और किसान कल्याण विभाग जल्द से जल्द कानूनी गारंटी के रूप में एमएसपी को लागू करने के लिए एक रूपरेखा घोषित करे।

23 उत्पादों के लिए एमएसपी तय

बता दें कि मोदी सरकार कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर 23 उत्पादों के लिए एमएसपी तय करती है। कमेटी ने तर्क दिया कि कानूनी रूप से बाध्यकारी एमएसपी न केवल किसानों की आजीविका की रक्षा करेगा बल्कि ग्रामीण आर्थिक विकास को और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को बढ़ाएगा। इतना ही नहीं कमेटी की सिफारिशों में किसानों की आत्महत्या को कम करने के लिए एक एमएसपी सिस्टम को लागू करना, फसल अवशेष के मैनेजमेंट के लिए किसानों को मुआवजा देना, खेत मजदूरों को न्यूनतम जीवनयापन मजदूरी के लिए राष्ट्रीय आयोग की स्थापना करना, किसानों और खेत मजदूरों के लिए कर्ज माफी योजना शुरू करना और कृषि विभाग का नाम बदलकर उसमें खेत मजदूरों को शामिल करना है।

वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग, कटरा किया बंद

कटरा।

वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के विरोध में माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने बुधवार को कटरा बंद किया। समिति ताराकोट रोपवे परियोजना का विरोध कर रही है। परियोजना को लेकर लोग सड़क पर उतर आए और इसका विरोध किया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि होटल, गेस्ट हाउस, टैक्सी, ऑटो चालकों समेत सभी दुकानदार एकत्रित हुए। इस विरोध प्रदर्शन को कांग्रेस और पीडीपी ने भी समर्थन दिया है। श्राइन बोर्ड ने ताराकोट मार्ग से सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर के मार्ग पर 250 करोड़ रुपए की लागत से यात्री रोपवे परियोजना को आगे बढ़ाने का फैसला किया था। यात्रा मार्ग के दुकानदार, पिट्ठू और पालकीवालों के साथ स्थानीय लोग इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उन्हें इसे अपनी आजीविका पर कुठाराघात बताया है। परियोजना का विरोध कर रहे लोगों का दावा है कि रोपवे कटरा के बाजार को बायपास कर देगा, जिससे तीर्थयात्रियों के आवागमन पर निर्भर हजारों दुकानदारों पर असर पड़ेगा।

रोपवे शुरू होने से उनकी रोजी-रोटी का खतरा पैदा हो जाएगा। इससे पहले 15 दिसंबर को सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने कटरा के मुख्य बाजार में मार्च निकाला था और रोपवे परियोजना की स्थापना के लिए मंदिर बोर्ड के खिलाफ नारे लगाए थे। प्रदर्शनकारी रोपवे परियोजना को लेकर पिछले महीने पुलिस के साथ झड़प के बाद गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की रिहाई की मांग कर रहे थे। पिछले महीने तब विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था जब दुकानदारों, मजदूरों और पिट्ठू तथा पालकी संचालकों ने रोपवे परियोजना को आगे बढ़ाने के मंदिर बोर्ड के फैसले के खिलाफ चार दिवसीय प्रदर्शन किया था। तभी वैष्णो देवी ट्रेक मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह जामवाल ने 18 दिसंबर के बंद की घोषणा कर दी थी।

राजनाथ सिंह ने कहा- रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाएंगे

नई दिल्ली।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को राजधानी में विभागीय परामर्शदात्री समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसे संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने विश्वास के साथ कहा कि पूर्व में मौजूद आयुध फैक्ट्री बोर्ड (ओएफबी) के निगमीकरण के बाद गठित किए गए नए रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (डीपीएसयू) रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बैठक में समिति के कुछ सदस्यों ने डीपीएसयू में मानव संसाधन से जुड़े हुए मुद्दों पर जाहिर की गई चिंताओं और सुझावों पर राजनाथ सिंह ने आश्वासन के साथ कहा कि निगमीकरण से उत्पन्न हुए तमाम मुद्दों को सभी हितधारकों से जरूरी परामर्श के साथ उचित रूप से संबोधित किया जा रहा है। सुझावों की सराहना करते हुए उन्होंने क्रियान्वयन के लिए इनकी जांच करने की बात भी कही।

फ्रांस में चिडो से मची तबाही पर पीएम मोदी ने जताया दुख, मदद की पेशकश की

राष्ट्रपति मैक्रों ने जताया आभार कहा- आपके विचारों और समर्थन के लिए धन्यवाद

नई दिल्ली।

फ्रांस के मायोट में आए विनाशकारी तूफान चिडो ने तबाही मचा दी है जिस पर भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। साथ ही उन्होंने हरसंभव मदद की पेशकश की है। पीएम मोदी की संवेदनाओं पर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आभार जताया है।

बता दें चिडो एक विनाशकारी तूफान था, जिसने शनिवार को फ्रांसीसी द्वीप समूह मायोट में भयंकर तबाही मचाई। चक्रवात चिडो 90 से ज्यादा सालों में मायोट में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान था। प्रलयकारी हवाओं ने आसपास के क्षेत्रों को भी तहस-नहस कर दिया है। बिजली के ग्रिड नष्ट हो गए और अस्पतालों, स्कूलों और हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचाया।

पीएम मोदी ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मायोट में चक्रवात चिडो के कारण हुई तबाही से वह बहुत दुखी हैं। उनकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व में, फ्रांस इस त्रासदी को दृढ़ संकल्प के साथ दूर करेगा। भारत फ्रांस के साथ खड़ा है और हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

पीएम मोदी के संदेश का जवाब देते हुए राष्ट्रपति मैक्रों ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- प्रिय नरेंद्र मोदी, आपके विचारों और समर्थन के लिए धन्यवाद। श्रेणी-4 के तूफान, चक्रवात चिडो ने ससाहांत में दक्षिण-पश्चिमी हिंद महासागर में तबाही मचा दी है। चक्रवात ने 3 लाख से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया है। उत्तरी मोजाम्बिक में भी भारी तबाही हुई ह। फ्रांस के पीएम ने एक बैठक में टिप्पणी की कि हर कोई समझता है कि यह एक ऐसा चक्रवात था जो अप्रत्याशित रूप से विनाशकारी था। चक्रवात से होने वाली मौतों की संख्या चौंका देने वाली है। मीडिया रिपोर्ट में शुरुआती रिपोर्टों ने 11 मौतों की पुष्टि की, लेकिन बचाव प्रयासों के

200 से ज्यादा स्वयंसेवकों के लापता होने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि चक्रवात चिडो के कारण 220 किमी/घंटा तक की हवाओं ने फ्रांसीसी विदेशी क्षेत्र मायोट को तबाह कर दिया है। यह आशंका है कि 200 से ज्यादा स्वयंसेवक लापता हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कमलनाथ, शिवराज और अब मोहन याद

मुख्यमंत्री के एडिशनल चीफ सेकेटरी के रूप में सेवाएं देने वाले डॉ राजेश राजौरा उन अफसरों में से हैं जो हर परिस्थिति में काम कर सकते हैं। सरकारी काम काज में यदि कभी कोई समस्या आई तो भी राजौरा इसका समाधान निकाल लेते हैं। किसी भी काम में समस्या की बजाए समाधान ढूंढने वाले राजौरा पूर्ववर्ती सरकारों में भी अपनी काबलियत का लोहा मनवा चुके हैं। उज्जैन कलेक्टर के रूप में डॉ राजौरा ने कई ऐसे काम कराए जिन्होंने विकास की गति तेज की। इसी तरह झाबुआ में जिला पंचायत के सीईओ रहते हुए आदिवासियों के हितों की योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाया। धार कलेक्टर के रूप में उन्होंने बेहतर काम किया।

(लेखक - मुस्ताअली बोहरा/)

नब्ज़ पकड़ने वाले अफसरों को तरजीह

अक्सर ऐसा कहा और सुना जाता है कि किसी भी सफल सरकार अथवा सरकारी योजना के पीछे अफसर का हाथ होता है। भले ही मुख्यमंत्री या विभागीय मंत्री अपनी घोषणा अथवा पार्टी के मेन्युफेस्टो के आधार पर कोई योजना बनाते हो लेकिन इन घोषणाओं को पूरा करने के लिए पूरा खाका अधिकारी ही बनाते हैं। ये न सिर्फ कार्ययोजना बनाते हैं बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर पूरा करवाने का जिम्मा भी इन अफसरों के कांधों पर होता है। पूर्ववर्ती सरकारों में सुधि रंजन मोहंती और इकबाल सिंह बैस जैसे अफसरों की तूती बोलती थी। यही वजह है कि ऐसे अफसरों का कार्यकाल भी बढ़ता रहा है। कोई भी सीएम या मंत्री हो वो यही चाहता है कि सरकारी योजनाओं को कामयाबी और बिना किसी विवाद के साथ हितग्राहियों तक पहुंचाया जा सके। लिहाजा, ये जनप्रतिनिधि चाहते हैं कि उन्हें अनुभवी और कार्यकुशल अफसरों का साथ मिले। यहीं वजह भी है कि मंत्री भी अपने निज सहायक और स्टॉफ में अनुभवी अफसरों और कर्मचारियों को तरजीह देते हैं। हाल ही में जब डॉ मोहन यादव ने सीएम पद की शपथ ली तो इसके बाद नए मुख्य सचिव के नाम को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया था। जो नाम डॉ यादव के पसंदीदा थे उनमें एक नाम डॉ राजेश राजौरा का भी था। 13 मई 1967 को जन्में डॉ राजेश राजौरा वर्तमान में एसीएस चीफ मिनिस्टर हैं। वे नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, जल संसाधन और नर्मदा घाटी विभाग के अपर मुख्य सचिव भी हैं। जिस तरह एक चिकित्सक नब्ज देखकर बीमारी का पता लगा लेता है उसी तरह की कार्यशैली राजौरा की भी। वैसे भी वो एमबीबीएस हैं तो उनके लिए नब्ज देखकर बीमारी का अंदाजा लगाना आसान ही है फिर चाहे वो नब्ज किसी मातहत अधिकारी की हो या जनप्रतिनिधि की। जो भी बीमार नजर आएगा राजौरा उसे कड़वी दवा देने में गुरेज नहीं करेंगे।

कुछ अधिकारी ऐसे होते हैं जो अपनी कार्यकुशलता, प्रशासनिक दक्षता की वजह से सबके चहेते बने रहते हैं फिर चाहे सरकार किसी की भी हो या सीएम कोई भी हो। राजौरा जैसे अफसर बिरले ही होते हैं जो एक नहीं बल्कि तीन-तीन मुख्यमंत्रियों के चहेते रहे हो। जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और कमलनाथ ने मुख्यमंत्री बनते है जिस पहली फाईल पर दस्तखत किए थे वो राजौरा ने सामने रखी थी। इसी तरह वे शिवराज सरकार में भी प्रभवशाली अधिकारियों में शामिल रहे। और अब डॉ मोहन यादव के राज में भी वो प्रशासनिक लॉबी के किंग मेकर बने हुए हैं। डॉ यादव की प्रशासनिक सर्जरी में राजौरा की छाप देखी जा सकती है। कौन अफसर कितना काबिल है, किस विभाग में फिट बैठेगा उसके काम करने का तरीका क्या है ये सब डॉ राजौरा जानते हैं और यही वजह है कि जब प्रदेश भर के प्रशासनिक अधिकारियों को इधर से उधर किया गया तो डॉ राजौरा ने सीएम मोहन यादव को भरोसे में लेते हुए जमावट करवाई। जब मोहन यादव सीएम बने और उन्होंने जो पहली फाइल पर दस्तखत किए वो राजेश राजौरा ने उनके सामने रखी थी जिसमें धर्मस्थलों से लाउड स्पीकर निकाले जाने संबंधी आदेश था। इससे पहले जब 2018 में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार बनी तब भी बतौर सीएम उन्होंने सबसे पहले किसानों की कर्जमाफी संबंधित जो आदेश जारी किया वो फाईल भी राजेश राजौरा ने ही उनके सामने रखी थी। डेढ़ दशक से ज्यादा समय तक सीएम रहे शिवराज सिंह चैहान के भी वे चहेते रहे हैं।

मुख्यमंत्री के एडिशनल चीफ सेकेटरी के रूप में सेवाएं देने वाले डॉ राजेश राजौरा उन अफसरों में से हैं जो हर परिस्थिति में काम कर सकते हैं। सरकारी काम काज में यदि कभी कोई समस्या आई तो भी राजौरा इसका समाधान निकाल लेते हैं। किसी भी काम में समस्या की बजाए समाधान ढूंढने वाले राजौरा पूर्ववर्ती सरकारों में भी अपनी काबलियत का लोहा मनवा चुके हैं। उज्जैन कलेक्टर के रूप में डॉ राजौरा ने कई ऐसे काम कराए जिन्होंने विकास की गति तेज की। इसी तरह झाबुआ में जिला पंचायत के सीईओ रहते हुए आदिवासियों के हितों की योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाया। धार कलेक्टर के रूप में उन्होंने बेहतर काम किया। राजौरा जब नक्सलप्रभावित बालाघाट जिले में पदस्थ रहे तब भी उन्होंने अपनी अलग छाप छोड़ी। इंदौर में काम करते हुए उन्होंने कई अहम फैसले लिए। बालाघाट और इंदौर में डॉ राजौरा को राजनीतिक दबाव भी झेलना पड़ा बावजूद इसके उन्होंने अपनी कार्यप्रणाली से प्रशासनिक कार्यों को अंजाम दिया। कृषि विभाग में काम करते हुए उन्होंने मध्यप्रदेश को कृषि कर्मण अवार्ड दिलवाया।

सन 2004 में उज्जैन में सिंहस्थ के दौरान डॉ राजौरा कलेक्टर थे। सिंहस्थ समिति में डॉ मोहन यादव भी थे और उस समय ही राजौरा और यादव के बीच संबंधों की शुरूआत हुई। डॉ यादव और डॉ राजौरा दोनों ही एक दूसरे की कार्यशैली से वाकिफ हैं। ये भी दिलचस्प है कि डॉ राजौरा उन चुनिंदा अफसरों में शामिल हैं जो अपने ही गृह प्रदेश में अहम ओहदे पर पहुंचे। केएस शर्मा के बाद डॉ राजौरा भी मूलत मध्यप्रदेश के ही रहने वाले हैं। शर्मा होशंगाबाद के रहने वाले थे जिन्होंने 1997 से 2001 तक बतौर मुख्य सचिव अपनी सेवाएं दीं। कमलनाथ, शिवराज सिंह चैहान और अब डॉ मोहन यादव यानि सीएम के साथ काम करने वाले डॉ राजौरा के लिए भी अहम उपलिब्ध है।

डॉ. राजेश राजौरा नीमच के रहने वाले हैं। बता दें कि डॉ. राजेश राजौरा 1990 बैच के आईएएस अफसर हैं। राजेश राजौरा ने दिल्ली एम्स से एमबीबीएस किया है। वर्तमान में मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव, जल संसाधन व एनवीडीए के प्रमुख सचिव हैं। इसके साथ ही वह नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष भी हैं। राजेश राजौरा कृषि, गृह, उद्योग, उद्यानिकी और परिवहन विभाग संभाल चुके हैं. इसके अलावा झाबुआ जिले के एडिशनल कलेक्टर, जबकि धार, बालाघाट, उज्जैन और इंदौर जिले के कलेक्टर रह चुके हैं। उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंस्थ की तैयारियों का जिम्मा भी राजौरा को सौंपा गया है। राजौरा साल 2027 में सेवानिवृत्त होंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उन्हें अपना एसीएस बनाकर उन पर भरोसा जताया है। अब राजौरा के कांधों पर उज्जैन में महाकुंभ को सफल बनाने और मप्र सरकार सहित मोहन यादव की छबि को देश भर में स्थापित करने का दायित्व है। बहरहाल, डॉ राजेश राजौरा बीमारी दूर करना जानते हैं और शायद ये बात मोहन यादव भी भली भांति जानते हैं यही वजह है कि यादव ने राजौरा को अपने करीब रखा है। आखिर में ये कहा जा सकता है कि पर्दे के पीछे से सरकार तो अफसर ही चलाते हैं। वैसे भी सरकारें आतीं जातीं रहतीं हैं, नेता हारते-जीतते रहते हैं लेकिन अफसर तो रिटायर होने तक डटे रहते हैं।

संपादकीय

जश्न में फायरिंग

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि विवाह आदि खुशी के मौके पर जानलेवा फायरिंग से मातम का माहौल बनने की तमाम घटनाओं के बावजूद इस बुराई पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। विगत में ऐसी अनेक घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई और परिवारों के लिये जीवनभर का दुख छोड़ गए। इस बाबत कई बार अदालतों ने सख्त टिप्पणियां की और सामाजिक स्तर पर भी आवाजें उठी। लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात ही रहे। पिछले महीने पंजाब और हरियाणा में ऐसी ही तीन दर्दनाक घटनाएं इस आत्मघाती लापरवाही से सामने आईं। जो इस घातक प्रथा के गंभीर परिणामों को ही उजागर करती हैं। ऐसी ही एक घटना में हरियाणा के चरखी दादरी इलाके में एक बारात के दौरान तेरह साल की एक किशोरी की दर्दनाक मौत हर्ष फायरिंग में हो गई। साथ ही उसकी मां भी गंभीर रूप से घायल हो गई। ऐसे ही एक अन्य वाकये में फिरोजपुर में, एक दुल्हन तब गंभीर रूप से घायल हो गई, जब उसके भाई ने विदाई समारोह के दौरान लापरवाही से पिस्तौल चला दी। वहीं दूसरी ओर अमृतसर में ऐसी ही एक घटना सामने आई जब एक रिसॉर्ट में आयोजित विवाह समारोह में एक महिला हर्ष फायरिंग से घायल हो गई। निश्चित रूप से संवेदनहीनता से उपजी त्रासदियों को रोकने के लिये तत्काल कार्रवाई की जरूरत महसूस की जा रही है। यकीनी तौर पर इस कुप्रथा को रोकने के लिये जो गंभीर पहल समाज की ओर से होनी चाहिए, वह होती नजर नहीं आ रही है। इन हालात में एक आशा की किरण तब जगी जब सर्वजातीय अठगामा खाप ने जश्न के दौरान होने वाली हर्ष फायरिंग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय सामाजिक स्तर पर लिया। निश्चित रूप से खाप पंचायत का यह निर्णय स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। उसने चरखी दादरी की दुर्घटना में किशोरी की मौत के बाद यह प्रतिबंध लगाया है। निस्संदेह, खाप पंचायत की ओर से इस बुराई को दूर करने की यह कोशिश उसके सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। खाप ने फैसला लिया है कि ऐसी दुर्घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवायी जाएगी। उस व्यक्ति या परिवार पर जुर्माना लगाया जाएगा। ऐसी घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार भी होगा। वक्त की नजाकत को समझते हुए लिया गया खाप का यह फैसला इस खतरनाक परिपाटी के खिलाफ शून्य सहिष्णुता को ही दर्शाता है। इस जानलेवा फायरिंग के खतरों को महसूस करते हुए जागरूकता अभियान चलाने का फैसला भी खाप की ओर से लिया गया, ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने हेतु ठोस पहल की जा सके। निस्संदेह, समाज में इस घातक दिखावे की सोच बदलने हेतु खाप की रचनात्मक पहल से शादियों व अन्य खुशी के अवसरों पर बंदूकों के दुरुपयोग की प्रवृत्ति को खत्म किया जा सकेगा। उम्मीद करें कि पंजाब व हरियाणा में विभिन्न सामाजिक संगठनों को इस घातक प्रथा को समाप्त करने के खाप के सामूहिक संकल्प से प्रेरणा मिलेगी। बेहतर हो कि खाप की पहल का अनुपालन हो। हालांकि, सामाजिक स्तर पर यह जमीनी प्रयास महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को भी इस मामले में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। हालांकि, सुप्रीम व हाईकोर्ट बार-बार जश्न मनाने में गोलीबारी की अवैधता व खतरों की ओर ध्यान दिलाते रहते हैं। साथ ही इसे जीवन के प्रति लापरवाही से उपजा खतरा बताते रहे हैं।

नेता, अंतरराष्ट्रीय समुदाय, प्रतिकों का महत्व : दृष्टिकोण

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा संसद में 'फिलिस्तीन' लिखा हुआ बैग लेकर जाना, एक प्रतीकात्मक कदम, एक भारतीय नेता और वैश्विक विवादों के बीच उनके रुख को दर्शाता है। हालांकि, भारतीय राष्ट्रीय हितों और उसकी विदेश नीति के अनुसार इस प्रकार का कार्य विवादित और गैर-आवश्यक माना जाता है। भारतीय विदेश नीति में में राष्ट्र, सांस्कृतिक गौरव, और देश की अखंडता को प्राथमिकता दी जाती है। इस दृष्टिकोण से, प्रियंका गांधी द्वारा 'फिलिस्तीन' समर्थन का यह कदम भारत के विदेश नीति के राष्ट्रीय हितों से हटकर एक विवादित अंतरराष्ट्रीय मुद्दे में हस्तक्षेप करना है। यह कदम विश्व पटल भारत की वर्तमान की प्रभावी विदेश नीति और 'वसुधैव कुटुंबकम्' की अवधारणा के विरुद्ध माना जाता है।

भारत, जो अंतरराष्ट्रीय संबंधों में विशेष रूप से फिलिस्तीन और इस्राइल दोनों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखता आया है, इस प्रकार की प्रतीकात्मक राजनीति से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में असमंजस की स्थिति को बढ़ावा मिलता है। भारतीय राष्ट्रीय हितों को बढ़ावा देने वाली विदेश नीति के अनुसरण में किसी भी भारतीय नेता को राष्ट्र, राष्ट्रहित और विश्व शांति के लिए जिम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए, न कि एकतरफा रुख अपनाकर विवाद खड़ा करना चाहिए।

संकेतों का अपना एक विशेष महत्व होता है। लाल तरबूज जैसे प्रतीकों को उग्रवाद और हिंसक विरोध के प्रतीक के रूप में देखने को मिलता है। राष्ट्रीय वैचारिक विमर्श का मानना है कि इस प्रकार के प्रतीक उन कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा देते हैं, जो शांति और सहयोग के विरोधी हैं। लाल तरबूज फिलिस्तीनी प्रतिरोध का प्रतीक है, लेकिन यह इस्राइली पक्ष के लिए अतीत के रक्तपात और संघर्ष की याद दिलाता है। ऐसे में, इसे समर्थन देना भारत के उन प्रयासों को कमजोर कर सकता है, जो दोनों पक्षों के बीच शांति स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़े हैं।

भारतीयों के जनमानस में, किसी नेता का यह कार्य उनकी पार्टी की 卐तुष्टिकरण की राजनीति卐 का हिस्सा है। यह कदम एक विशेष वर्ग को खुश करने के उद्देश्य से उठाया गया प्रतीत होता है।

जबकि 7 अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीन के सशस्त्र समूह द्वारा इस्राइल पर किए गए आक्रमण के विरोध में कोई संकेत या बात नहीं कही गई। और तो और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में भी कभी कोई बात नहीं कही गई जब फिलिस्तीन लिखें बैग का सर्वत्र भारतवर्ष में विरोध हुआ तब मजबूरी में दूसरे दिन नौटंकी का प्रयास बांग्लादेश में पीड़ित हिन्दुओं के पक्ष में किया गया। भारतीय सनातन संस्कृति शांति स्थापना के लिए युद्ध को अंतिम विकल्प के रूप में मान्यता देती है। इसके अलावा, यह भारत की सामाजिक एकता—से अलग हटकर एक बाहरी विवाद को अनावश्यक रूप से तूल देने के समान है।

परिपक्वता की दृष्टि से, किसी नेता का यह कदम राजनीतिक नौटंकी और विवादित अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर गैर-जरूरी हस्तक्षेप के रूप में देखा जाता है। इस प्रकार के कार्य भारतीय हितों और अंतरराष्ट्रीय नीतियों के संतुलन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। देश के नेताओं को अपने प्रतीकात्मक संदेशों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और वैश्विक शांति को प्राथमिकता देनी चाहिए, न कि किसी समूह विशेष या विचारधारा विशेष को बढ़ावा देने के लिए विवाद खड़ा करना चाहिए।

(चिंतन-मनन)

नदी और सागर

सुखदेव ऋषि के आश्रम में कई शिष्य रहते थे। उनमें अनुज नामक शिष्य काफी तेज था। धीरे-धीरे वह स्वयं को अन्य शिष्यों से श्रेष्ठ मानकर दूसरों को हीन समझने लगा। ऋषि उसके अंदर छिपे अहं को समझ गए और उसे एक दिन अपने साथ एक सागर के पास ले गए। विशालकाय सागर अत्यंत आकर्षक दिख रहा था। उसकी लहरें जब अठखेलियां करतीं तो मन प्रसन्न हो जाता। ऋषि ने अनुज से सागर का पानी पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही पानी मुंह में डाला, वैसे ही उसने बुरा सा मुंह बनाकर पानी बाहर निकाल दिया और बोला, गुरुजी, यह पानी तो खारा है। मेरा मुंह का स्वाद कसैला हो गया।

ऋषि उसकी बात सुनकर मुस्कराए। वह उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते रहे। आगे एक छोटी सी नदी आई। नदी का जल शांत था। ऋषि ने अनुज से नदी का जल पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही जल मुंह में डाला, वैसे ही उसके मन को अत्यंत तृप्ति मिली। वह बोला, गुरुजी, नदी के जल ने मुंह का स्वाद बढ़ा दिया है। इतना ठंडा और मीठा जल बहुत कम देखने को मिलता है, जबकि इतने बड़े सागर का पानी एकदम खारा था।

उसके ऐसा ही कहते ही ऋषि बोले, पुत्र, देखा तुमने, छोटे-बडे से कुछ नहीं होता। हर व्यक्ति को अपने व्यवहार और सद्कार्यों से अपने लिए जगह बनानी पड़ती है। तुमने सागर के अहं को देखा। वह सब कुछ अपने में ही भरे रहता है। लेकिन इसका जल खारा होता है। जबकि छोटी सी नदी जो पाती है उसका अधिकांश बांटती है, इसलिए उसके जल में मिठास है।

व्यक्ति को बड़े होने पर भी अहं को अपने पास नहीं फटकने देना चाहिए अन्यथा उसका हाल भी सागर की तरह ही होता है। मेरे विचार में तुम मेरी बातों का अर्थ अच्छी तरह समझ गए हो। अनुज को अपनी गलती का अहसास हो गया। उसने अपने भीतर से अपना अहं निकाल फेंका।

विचार मंथन

अमेरिकी अदालत में रिश्वत का खुलासा और भारत सरकार की चुप्पी

(लेखक - सनत जैन)

भारत की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार के मामलों के कारण चर्चा में है। हाल ही में अमेरिकी अदालतों में भारतीय कंपनियों और सरकारी संस्थाओं से जुड़े भ्रष्टाचार के खुलासे ने देश की साख पर बट्टा लगा दिया है। अमेरिका में जो रिश्वत के मामले सामने आए हैं, उनमें प्रमुख रूप से हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), और रेलवे विभाग का नाम शामिल है। विदेशी कंपनियों ने रिश्वत देकर भारत में ठेके हासिल किए हैं। अमेरिकी न्यायालय में ओरेकल कॉर्पोरेशन और अन्य कंपनियों ने भारतीय कंपनियों को रिश्वत देने की बात स्वीकार करते हुए भारी जुर्माना भरा है। अमेरिका में जुर्माना नहीं देने पर इन्हें जेल हो सकती थी। जो रिश्वत दी गई थी उसे तीन गुना ज्यादा जुर्माना भरकर अमेरिका की कंपनियों ने अपने आप को बचाया है। अमेरिका की अदालत में चले मामलों से स्पष्ट होता है। भारत में व्यवसाय करने के लिए मोदी सरकार आने के बाद भी रिश्वतखोरी अनिवार्य चलन का प्रतीक बन चुकी है। यह रिश्वत 2017 में भारत में दी गई थी। अमेरिका में दो से तीन वर्ष तक चली जांच के बाद कोर्ट में अमेरिका की कंपनियों ने जुर्माना भरकर समझौता किया है। चिंता की बात यह है, अमेरिका और अन्य देश भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। वहीं भारत में मोदी सरकार जो भ्रष्टाचार मुक्त शासन और प्रशासन की बात करती है, उस मोदी सरकार ने भारत में संबंधित अधिकारियों और संस्थानों पर कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की है, और चुप्पी साध कर रखी है। बोफोर्स मामले में विदेश की एक अदालत में मामला उजागर होने के बाद इस मामले ने तूल पकड़ा था, उसके बाद राजीव गांधी को सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। लेकिन अब इतने बड़े-बड़े मामले सामने आ रहे हैं। उसके बाद भी सरकार की चुप्पी आश्चर्यजनक है। भ्रष्टाचार भारत की प्रगति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी देश की अर्थव्यवस्था को दीमक की तरह चट करता है। समाज में असमानता और अविश्वास को बढ़ाता है। मोदी सरकार आने के बाद यह विश्वास बना था। सरकारी तंत्र में गहरी पैठ बना चुका भ्रष्टाचार पूरी तरह से समाप्त होगा। जनता की मेहनत की कमाई से मिले टैक्स के पैसे का दुरुपयोग खत्म होगा। देश का विकास तेज होगा, लेकिन जिस तरह की खबरें और जानकारी निकलकर सामने आ रही हैं उसके अनुसार मोदी राज में भ्रष्टाचार पहले की तुलना में और बढ़ गया है।

सरकार और जांच एजेंसियों की निष्क्रियता पर भी अब सवाल उठने लगे हैं। ऐसा प्रतीत होता है, भ्रष्टाचार के विरोध में कार्रवाई राजनीतिक लाभ-हानि को देख कर मोदी राज में हो रही है। विपक्षी दलों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप में तेजी से करवाई होती है। उन पर मुकदमे चलते हैं, उन्हें बिना जांच के जेल भेज दिया जाता है। जबकि सत्ताधारी दल के सदस्यों और समर्थकों के ऊपर जो आरोप लगते हैं उन पर सरकार कोई कार्यवाही नहीं करती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को राजनीतिक दायरे से बाहर निकालना होगा। भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी साख बचाये रखनी है। अपने नागरिकों को भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाकर न्याय दिलाना है।

तो पारदर्शिता, जवाबदेही, और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। वैश्विक व्यापार संधि के बाद भारत का व्यापार दुनिया के सभी देशों के साथ हो रहा है। भारत के शेयर बाजार में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के निवेशक हैं। यह समय है, भारत अपनी छवि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए। जनता को भी भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर आना होगा। पिछले कुछ वर्षों में बड़े-बड़े भ्रष्टाचारी भाजपा की सदस्यता लेकर भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त हो रहे हैं। इनके खिलाफ जनता को सड़कों पर उतरना पड़ेगा। वर्तमान में भाजपा एक ऐसी गंगा बन गई है। जिसमें जाते ही भ्रष्टाचारियों और रिश्वतखोरों के पाप धुल जाते हैं। ऐसी स्थिति में भारत की जनता और भारत सरकार को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। अन्यथा इसके परिणाम भारतीय अर्थव्यवस्था में गंभीर रूप से देखने को मिलेंगे। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वन मोबिक्विक सिस्टम्स का शेयर 58 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

शेयर 87.81 प्रतिशत उछाल के साथ 524 रुपये पर पहुंच गए

नई दिल्ली । वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड ने बुधवार को बाजार में उछाल बनाई जब उसके शेयर अपने निर्गम मूल्य 279 रुपये से 58 प्रतिशत से अधिक चढ़कर सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर 58.51 प्रतिशत चढ़कर 442.25 रुपये पर संकलित हो गए। इसके बाद वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर 87.81 प्रतिशत उछाल के साथ 524 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी की बाजार मूल्यांकन 3,435.68 करोड़ रुपये के पार पहुंची। एनएसई पर उनके शेयर ने 57.70 प्रतिशत के उछाल के साथ 440 रुपये पर शुरुआत की। वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की आखिरी दिन को 119.38 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने अपनी 572 करोड़ रुपये के आईपीओ को 265-279 रुपये प्रति शेयर के दायरे में बोली थी। वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड की आईपीओ की कामयाबी ने बाजार में चर्चा उत्पन्न की और निवेशकों की ध्यान आकर्षित किया।

साई लाइफ साइंसेज का शेयर 20 फीसदी बढ़त पर सूचीबद्ध

कंपनी ने आईपीओ में 950 करोड़ और 2,092 करोड़ के 3.81 करोड़ शेयर की बिक्री पेश की थी

नई दिल्ली । साई लाइफ साइंसेज के शेयर ने बुधवार को बाजार में धूम मचाई। यह इसके निर्गम मूल्य 549 रुपये से 20 प्रतिशत अधिक उछाल के साथ उच्चतम स्तर पर सूचीबद्ध हुआ। शेयर ने बीएसई पर 20.21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 660 रुपये पर सूचीबद्ध किया गया, जो बाद में 27.86 प्रतिशत उछाल के साथ 702 रुपये पर पहुंच गया। इसके अतिरिक्त एनएसई पर शेयर ने 18.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 650 रुपये पर शुरूआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,493.75 करोड़ रुपये था। साई लाइफ साइंसेज के आरम्भिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के तीसरे और अंतिम दिन तक 10.26 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ में 950 करोड़ रुपये के नए शेयर और 2,092 करोड़ रुपये के 3.81 करोड़ शेयर की बिक्री पेश की थी। इसके लिए मूल्य दायरा 522-549 रुपये प्रति शेयर था।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल ने क्यूआईपी के जरिये 1,000 करोड़ जुटाए

धन का उपयोग केपीआईएल की वित्तीय स्थिति सुधारने में किया जाएगा

नई दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल (केपीआईएल) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पांच संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 1,000 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। कम्पनी ने कहा कि यह उनके विविधीकृत व्यवसायिक खंड में निवेशकों के भरोसे की पुष्टि करता है। इस धन का उपयोग केपीआईएल के बही-खाते को सुदृढ़ बनाने, वित्तीय स्थिति में सुधार करने और वृद्धि योजनाओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा। जनसाधारण के लिए यह एक अच्छी खबर है क्योंकि केपीआईएल वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाएं संचालित कर रही है और 75 देशों में उपस्थित है। इसका मतलब यह है कि कंपनी ने अपने क्षेत्र में व्यापक उपस्थिति बनाए रखा है और अपने विश्व स्तरीय परियोजनाओं के माध्यम से विकास में योगदान देने के लिए अग्रसर है। केपीआईएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि क्यूआईपी के माध्यम से जुटाए गए वित्तीय संसाधन ने उनकी कंपनी को मजबूती प्रदान की है और उनके विकास की योजनाओं को गति देने में मदद करेगा। इस आधार पर यह निश्चित रूप से एक बड़ी सफलता की घोषणा है जो क्षेत्र में नवाचार और विकास को बढ़ावा देगी।

देश में 40 फीसदी लोग ही करते हैं यूपीआई का उपयोग: रिपोर्ट

- यूपीआई प्रणाली को अधिकांश लोग नहीं करते पसंद

नई दिल्ली ।

भारत के ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में वित्तीय लेनदेन के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) का अधिकांश लोगों द्वारा अनदेखा किया जा रहा है, जैसा कि ईवाई और सीआईआई की संयुक्त रिपोर्ट में प्रकट हुआ है। मान्यताओं के अनुसार इस प्रणाली को 40 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा उपयोग किया जाता है, लेकिन केवल चार लोग ही इसे लेनदेन का पसंदीदा तरीका मानते हैं। रिपोर्ट में 11 फीसदी प्रतिभागी ने ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में यूपीआई को भुगतान के रूप में वरीयता नहीं दी है। इस सर्वेक्षण के अनुसार महिलाएं और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अधिकतर थे। सीआईआई इंडिया के पार्टनर वित्तीय सेवाओं के प्रमुख ने इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हमारी रिपोर्ट वित्तीय संस्थानों के लिए ग्रामीण और कस्बाई भारत में विशेष बचत और निवेश समाधान प्रस्तुत करने के लिए एक नई दिशा प्रदान करती है। इस स्थिति में उचित जागरूकता और शिक्षा के माध्यम से यूपीआई प्रणाली के फायदों को ग्रामीण और

कस्बाई क्षेत्रों तक पहुंचाना अवश्यक है ताकि इसका उपयोग विस्तार से हो सके।

विशाल मेगा मार्ट का शेयर बाजार में सूचीबद्ध

शेयर का मूल्य बीएसई पर 41 प्रतिशत बढ़त के साथ 110 रुपये पर तय किया गया

नई दिल्ली । घरेलू सामानों के लिए बड़ी-बड़ी दुकानें चलाने वाली विशाल मेगा मार्ट ने बुधवार को अपने निर्गम मूल्य में बढ़ोतरी के साथ बाजार में सूचीबद्ध हो गया है। इसमें शेयर का मूल्य बीएसई पर 78 रुपये से 41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 110 रुपये पर तय किया गया है। यह बढ़ोतरी दर्शाती है कि बाजार में कंपनी को उम्मीदवारों की अच्छी प्रतिध्वनि मिली है। एनएसई पर भी शेयर का मूल्य 33.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104 रुपये पर शुरू हुआ था। विशाल मेगा मार्ट की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) बेहद सफल रही थी और शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत शुक्रवार को 27.28 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 8,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 74-78 रुपये प्रति शेयर रखा था। इस बढ़ोतरी के बाद, कंपनी का बाजार मूल्यांकन 48,644.57 करोड़ रुपये हो गया है। जिस तेजी से विशाल मेगा मार्ट का शेयर मांग में उछल रहा है, वह बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। उम्मीद है कि कंपनी इस सफलता की श्रुतांत को बनाये रखने में सफल रहेगी और उसके शेयरहोल्डर्स को और अधिक लाभ प्रदान करेगी।

झारखंड सरकार ने कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की

कानूनी प्रक्रिया शुरू करने से पहले अधिसूचना जारी की गई थी

रांची । झारखंड सरकार ने केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया का पहला कदम राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को अधिकृत करने वाले अधिसूचना की जारी करना था। पिछले महीने झारखंड की नई सरकार ने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की घोषणा की थी। उसके बाद एक अधिसूचना जारी की गई जिसमें कहा गया, राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए तत्काल कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। केन्द्रीय कोयला राज्यमंत्री ने कहा था कि झारखंड का केंद से कोई बकाया नहीं है, लेकिन झामुमो के महासचिव ने इसका खंडन किया और कहा कि अगर कोयले की रॉयल्टी 15 दिनों के अंदर नहीं दी जाती है तो राज्य से कोयला नहीं जाएगा। इसके साथ ही, कोयला कंपनी के अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि कोयला ढुलाई बंद कर दी जाएगी।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले सहमे बाजार, बुधवार को पांचवें दिन लाल रहा बाजार

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार पांचवें ट्रेडिंग सेशन में गिरकर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले विदेशी निवेशक जोखिम नहीं ले रहे हैं और अमेरिकी शेयरों में निवेश के चलते भारतीय इक्विटी बेच रहे हैं। साथ ही किसी भी प्रमुख घरेलू ट्रिगर नहीं होने की वजह से बाजार बुधवार को गिरकर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बुधवार को मामूली गिरावट के साथ 80,666.26 अंक पर खुला। पिछले ट्रेडिंग सेशन में यह 80,684.45 के स्तर पर बंद हुआ था। अंत में सेंसेक्स 502.25 अंक की गिरावट लेकर 80,182.20 पर बंद हुआ। इसतरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी गिरावट लेकर 24,300 के नीचे खुला। इसके बाद में इसमें गिरावट बढ़ गई। अंत में यह 155.05 अंक फिसलकर 24,180.95 पर बंद हुआ। बुधवार को बाजार में सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स का शेयर 2.75 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। पावर ग्रिड, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स के शेयर प्रमुख रूप से गिरावट में रहे। वहीं दूसरी तरफ, टीसीएस (टीसीएस) का शेयर सबसे ज्यादा चढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा इंडेक्स हैवी वेट रिलायंस इंडस्ट्रीज और सनफार्मा, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस और आईटीसी के शेयर हरे निशान में रहे। वहीं बाजार जानकारों का मानना है कि दिन के अंत में अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीतिगत निर्णय से पहले निवेशक सतर्क दिख रहे हैं। निवेशकों का अनुमान है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती कर सकता है। हालांकि, निवेशकों का ज्यादा ध्यान इस बात पर रहेगा कि फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल बैठक के बाद क्या कहते हैं।

वैश्विक बाजारों का क्या हाल ?

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग तथा चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे जबकि जापान का निक्की नुकसान में दिखाई दिया। वहीं, अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

विशाल मेगा मार्ट आईपीओ की जोरदार लिस्टिंग

विशाल मेगा मार्ट आईपीओ के शेयरों की बुधवार को शेयर बाजार में शानदार एंट्री हुई। एनएसई पर आईपीओ 104 रुपये पर लिस्ट हुआ, जो इसके इश्यू प्राइस 78 से 33.33 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, बीएसई पर यह 110 रुपये के भाव पर लिस्ट हुआ, जो आईपीओ प्राइस से 41 प्रतिशत ऊपर है। इसतरह डिजिटल पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर वन मोबिक्विक सिस्टम के शेयरों की बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई। एनएसई पर वन मोबिक्विक सिस्टम का आईपीओ 440 रुपये पर लिस्ट हुआ, जो इसके इश्यू प्राइस 279 से 57.70 प्रतिशत अधिक है। वहीं, बीएसई पर यह रुपये पर 442.25 रुपये लिस्ट हुआ, जो आईपीओ प्राइस बैंड के अपर एंड से 58 प्रतिशत ज्यादा है।

सेबी ने ओडीआई के लिए खुलासा अनिवार्य किया

- नए नियमों के अनुसार अलग पंजीकरण के माध्यम से ही ओडीआई इश्यू कर सकेंगे

नई दिल्ली । सेबी ने ऑफ शोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट (ओडीआई) के लिए नए नियमों की घोषणा की। इससे स्पष्ट हुआ कि ओडीआई को स्वामित्व और आर्थिक हित से जुड़े खुलासे अनिवार्य होंगे। राजधानी बाजार नियामक ने ओडीआई को पहले पार्टिसिपेटरी नोट्स के रूप में जाना जाता था, जिनका प्रयोग हेज फंडों द्वारा भारतीय प्रतिभूतियों में निवेश के लिए किया जाता था। नए नियमों के अनुसार वे एक अलग पंजीकरण के माध्यम से ही ओडीआई इश्यू कर सकेंगे, जिसमें कोई मालिकाना निवेश नहीं होगा। सेबी ने जिन एफपीआई के पास ओडीआई बकाया है, उन्हें एक साल के अंदर अलग से पंजीकरण करने का निर्देश दिया है। नए नियमों के तहत, डेरिवेटिव के साथ ओडीआई इश्यू करने पर प्रतिबंध लगाया गया है, जो उनके मौजूदा भुगतानों को भी शामिल करेगा। सेबी ने इसके साथ ही डेरिवेटिव आधारित मौजूदा ओडीआई को भुनाने के लिए एक वर्ष की संवैधानिक सुविधा भी प्रदान की है। यह नए नियम ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट के सुरक्षित और निष्पक्ष उपयोग को सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे निवेशकों को अधिक सुरक्षित माहौल में निवेश करने का अवसर मिलेगा, जिससे वित्तीय बाजार में विश्वास और स्थायिता बढ़ सकेगी।

नवंबर में इक्विटी फंडों की नकदी घटकर 4 महीने के निचले स्तर पर

इक्विटी योजनाओं में नकदी में 5.4 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली । इक्विटी म्युचुअल फंडों की नकदी स्तरों में नवंबर में मामूली गिरावट देखी गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार इक्विटी योजनाओं में नकदी में 5.4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो चार महीने की सबसे कम है। यह गिरावट अक्टूबर से आ रहे कमी का परिणाम हो सकती है। पीपीएफएएस म्युचुअल फंड के पास सर्वाधिक 21.5 प्रतिशत की नकदी थी, जबकि अन्य फंड हाउसों के पास छह महीने की उच्चतम गिरावट में 14 प्रतिशत की मासिक गिरावट थी। यह गतिविधि बाजार में उतार-चढ़ाव के चलते हो रही है, हालांकि फंड अधिकारियों का लक्ष्य पूर्ण निवेश बनाए रखना है। नकदी स्थिति अनिश्चितता या महंगे मूल्यांकन के दौरान इन योजनाओं में नकदी रखने की आवश्यकता को दर्शाती है। नवंबर में ऐक्टिव योजनाओं में पूंजी निवेश कम आया था, जिसकी वजह एकमुश्त निवेश और नई फंड पेशकशों के संग्रह में गिरावट की गई थी। इससे तो यह स्पष्ट है कि बाजार में नकदी स्तरों में बदलाव के साथ आए गिरावट की वजह से इक्विटी योजनाओं की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में गिरावट भी देखने को मिल रही है।

बिहार के विकास में अभूतपूर्व वृद्धिःअमृत लाल मीणा

पिछले पांच वर्षों में राज्य में डेटा खपत में 15 गुना वृद्धि हुई

पटना । बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में राज्य में डेटा खपत में 15 गुना वृद्धि हुई है। उनके अनुसार राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास, संपर्क में निवेश और रेल तथा सड़क तंत्र के निर्माण में कई बड़े कदम उठाए हैं। बिहार में सड़क घनत्व देश में तीसरे स्थान पर है, जो व्यापार और परिवहन को सुविधाजनक बनाता है। बिजली उत्पादन 700 मेगावाट से बढ़कर 7,000 मेगावाट हो गया है। राज्य में आईटी पार्क और डेटा सेंटरों का निर्माण भी हो रहा है। मीणा ने कहा कि बिहार में पिछले दो दशकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण में भारी निवेश किया गया है। राज्य सरकार ने विभिन्न विकास परियोजनाओं की घोषणा की है, जैसे कि एक्सप्रेस राजमार्गों का निर्माण और वाराणसी-कोलकाता परियोजना। उन्होंने बताया कि बिहार में गैस के लंबे नेटवर्क और गैस वितरण की व्यापकता में वृद्धि हुई है। दूरदराज क्षेत्रों तक ऑप्टिकल फाइबर केबल भी पहुंचा है। वित्तीय संरक्षण में भी बड़ी वृद्धि हुई है, जैसे कि 2015 में एमएसएमई को 8,000 करोड़ रुपये का ऋण मिलता था, जबकि अब यह तादाद 77,000 करोड़ रुपये है। बिहार के विकास में यह सभी कदम क्रांतिकारी साबित हो सकते हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं।

टाटा प्रोजेक्ट्स के आईपीओ का अभी और करना होगा इंतजार

कंपनी अगले 12 से 18 महीनों में लेकर आ सकती है आईपीओ

नई दिल्ली ।

टाटा प्रोजेक्ट्स के आईपीओ के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि आने वाले एक से डेढ़ साल के अंदर यह पब्लिक इश्यू आ सकता है। दरअसल ईटी की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के सीईओ ने यह जानकारी दी है। इससे पहले पिछले साल टाटा टेक्नोलॉजी का आईपीओ आया था, जिसे निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था और लिस्टिंग पर इसने तगड़ा गेन दिया था। खास बात है कि अगर टाटा प्रोजेक्ट्स का आईपीओ तय समय सीमा पर आता है तो यह 2 साल के अंदर टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का दूसरा पब्लिक इश्यू होगा। टाटा टेक्नोलॉजी का आईपीओ 19 साल बाद टीसीएस के पब्लिक इश्यू के बाद आया था। टाटा प्रोजेक्टस के सीईओ ने कहा कि कंपनी अगले 12 से 18 महीनों में आईपीओ लेकर आ सकती है। हालांकि, यह तब ही संभव है जब कंपनी लगातार कैश जनरेट कर पाएगी। टाटा प्रोजेक्ट्स, कंस्ट्रक्शन कारोबार में एक बड़ा नाम है। मौजूदा वक्त में कंपनी की ऑर्डर बुक 40000 करोड़ रुपये है। कंपनी के ऐतिहासिक प्रोजेक्ट्स में दिल्ली में स्थित नया संसद भवन और मुंबई में अटल सेतु शामिल हैं। खास बात है कि

यह कंपनी 20 फीसदी से अधिक परियोजनाएं टाटा समूह की कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा पावर, इंडियन होटल्स, टाटा स्टील और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स से हासिल करती है।

स्मार्टफोन निर्यात के मामले में एप्पल का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

एप्पल कंपनी ने नवंबर महीने में स्मार्टफोन निर्यात के मामले में शानदार प्रदर्शन किया। इंडस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में स्मार्टफोन निर्यात 20,300 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि से 90 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

भारत में स्मार्टफोन निर्यात ने इस साल नवंबर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जो पहली बार 20,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। पिछले साल नवंबर में स्मार्टफोन निर्यात 10,600 करोड़ रुपये से अधिक था। इस माह निर्यात में एप्पल सबसे आगे रहा, इसके बाद सैमसंग का स्थान था। भारत का स्मार्टफोन निर्यात लगातार बढ़ रहा है, और यह एक संकेत है कि देश के उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत स्मार्टफोन विनिर्माण में बड़ी सफलता मिल रही है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस उपलब्धि को स्मार्टफोन पीएलआई योजना के लिए एक मील का पत्थर बताया। मंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा, एप्पल द्वारा 10 बिलियन डॉलर के आईफोन का उत्पादन और 7 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ है। भारत से कुल स्मार्टफोन

निर्यात 7 महीनों में 10.6 बिलियन डॉलर को पार कर गया। इसके अलावा, भारत में प्रीमियम, 5जी और एआई स्मार्टफोन की मजबूत मांग के कारण इस वर्ष 7-8 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2030 तक 500 बिलियन डॉलर के लोकल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्यात वृद्धि को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।

इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के आंकड़ों के अनुसार, 2014-15 में मोबाइल फोन का उत्पादन 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में अनुमानित 4.10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पीएलआई योजना के कारण 2,000 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाता है। सरकार की पीएलआई योजना के कारण, एप्पल के आईफोन का उत्पादन वित्त वर्ष 2025 के सात महीनों में 10 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें अकेले 7 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। यह एक रिकॉर्ड है, जो भारत में स्मार्टफोन उत्पादन और निर्यात में मजबूती की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मोदी सरकार ने छूट क्या दी.....लोगों ने खूब खरीदा सोना, बन गया रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

शादी और त्यौहारों के सीजन में लोगों ने इतना सोना खरीदा की रिकॉर्ड ही बन गया। इसके पीछे बड़ी वजह ये है कि मोदी सरकार ने सोने पर आयात शुल्क में ढील दे दी थी। इससे सोना मंगाना और बेचना सस्ता हो गया। वहीं शादी और त्यौहारों का सीजन होने की वजह से जमकर खरीदारी हुई। इसकारण नवंबर माह में ही देश में सोने का आयात चार गुना बढ़कर 14.86 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 1.26 लाख करोड़ रुपये) के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, मुख्य रूप से त्यौहारी सीजन और शादी-विवाह की मांग के कारण सोने का आयात बढ़ा है। इसके पहले नवंबर, 2023 में सोने का आयात 3.44 अरब डॉलर रहा था। कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान आयात 49 प्रतिशत बढ़कर 49 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 32.93 अरब डॉलर था। मंत्रालय के अनुसार, करीब 25 प्रतिशत औसत वार्षिक रिटर्न के साथ सोना 2024 (नवंबर तक) में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली संपत्तियों में से एक है। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में इस साल 2024 में अब तक सोने की कीमतें 23 प्रतिशत बढ़कर 78,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई हैं। बजट में मोदी सरकार ने सोने के आयात पर शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत किया था। इसके बाद विदेश से सोना मंगाना सस्ता हो गया और घरेलू बाजार में भी कीमतों में करीब 6 हजार रुपये की गिरावट आई। इस कारण भारत का सोना आयात 2023-24 में 30 प्रतिशत बढ़कर 45.54 अरब डॉलर हो गया था। अगर देश में आयात की बात की जाए, तब स्विट्जरलैंड सोने के आयात का सबसे बड़ा स्रोत है, जिसकी हिस्सेदारी हमारे कुल आयात में लगभग 40 प्रतिशत है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (16 प्रतिशत से अधिक) और दक्षिण अफ्रीका (लगभग 10 प्रतिशत) का नंबर आता है।

क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले मुनाफे पर देश में अब टैक्स लगेगा

- क्रिप्टोकरेंसी को अब कैपिटल एसेट के रूप में माना जाएगा

जयपुर ।

जोधपुर के आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने भारत में क्रिप्टोकरेंसी पर टैक्स को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला किया है, जिससे देश में क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले मुनाफे पर टैक्स लगने वाला है। इस ऐतिहासिक निर्णय के साथ क्रिप्टोकरेंसी को अब कैपिटल एसेट के रूप में माना जाएगा और इससे मुनाफे पर टैक्स किस प्रकार लगाया जाएगा, यह स्पष्ट हो गया है। इस निर्णय के मुताबिक क्रिप्टोकरेंसी से होने वाला मुनाफा हाई इनकम टैक्स स्लैब के बजाय कैपिटल गेन टैक्स माना जाएगा।

यह फैसला ऐसे निवेशकों के लिए बड़ा समाचार है जो क्रिप्टोकरेंसी में लेनदेन करते हैं। उन्हें अब लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन की केटेगरी में ही टैक्स की दरें चुकानी होंगी, जिससे उन्हें कम

टैक्स देने होंगे। इस निर्णय ने निवेशकों को स्पष्टता दी है कि क्रिप्टोकरेंसी में विशिष्ट नियम पेश करने से पहले हुए ट्रांसक्शन्स को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के रूप में समझा जा सकता है। इससे निवेशकों को अधिक जानकारी और सुरक्षा मिलेगी और वे अपने निवेश को बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच हुआ ड्रा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गये तीसरे टेस्ट मैच को पांचवें दिन बुधवार को भारत की दूसरी पारी में शुरु हुई बारिश के कारण ड्रा घोषित कर दिया गया। ट्रैविस हेड को उनके शानदार खेल के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवजा गया। पांच मैचों की श्रृंखला में दोनों टीमें एक-एक मैच जीत कर बराबरी पर है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर मिली 185 रनों की बढ़त के बाद दूसरी पारी सात विकेट पर 89 रन पर घोषित कर भारत को जीत के लिए 275 रनों का लक्ष्य दिया था।

ऑस्ट्रेलिया के 275 रनों के लक्ष्य के जवाब में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 2.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए आठ रन बनाये थे कि तेज बारिश शुरु हो गई। चायकाल के समाप्त होने बावजूद हो रही हल्की बारिश के कारण अम्पायरों ने मैच को ड्रा घोषित कर दिया। यशस्वी जायसवाल (नाबाद चार) और के एल राहुल (नाबाद चार) रन क्रीज पर थे।

भारत ने सुबह के सत्र में आज नौ विकेट पर 252 रनों से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में आठ रन और जुड़े थे कि ट्रैविस हेड ने आकाश दीप को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच आउट कराकर 260 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। आकाश दीप ने 44 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के स्कोर के आधार पर 185 रनों की बढ़त मिली।

इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम तेजी से रन बनाने के प्रयास में लगातार अपने विकेट खोती रही। उस्मान ख्वाजा (आठ), मार्नस लाबुशेन (एक) को बुमराह ने अपना शिकार बनाया। नेथन मैकस्वीनी (चार), मिचेल मार्श (दो) को आकाश दीप ने आउट किया। ट्रैविस हेड (17) और स्टीव स्मिथ (चार) को मोहम्मद सिराज ने आउट किया। 18वें ओवर में बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (22) को आउट कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 89 रन पर अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी। भारत की ओर जसप्रीत बुमराह ने तीन, आकाश दीप और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट लिये। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाये थे।

ऑस्ट्रेलिया टीम ने अश्विन को दी स्पैशल टीशर्ट, कमिंस बोले- वह बेहतरीन खिलाड़ी है

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस नहीं मानते कि यहां तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहने के बाद 5 मैच की श्रृंखला में लय भारत के पक्ष में बन गई है और उन्हें इस बात की खुशी है कि उनकी टीम ने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में पहली पारी में भारतीय टीम को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। तीसरे टेस्ट मैच में अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखने वाले ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को यहां अपनी दूसरी पारी 7 विकेट पर 89 रन पर समाप्त घोषित करके भारत के सामने 275 रन का लक्ष्य रखा था लेकिन बारिश के कारण आखिर में यह मैच ड्रॉ रहा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के सभी सदस्यों ने अश्विन को एक विशेष जर्सी भेंट की जिसपर सभी क्रिकेटरों के हस्ताक्षर थे।

कमिंस ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैं यह नहीं कह सकता कि मैं कभी लय को लेकर परेशान रहा। वास्तव में मैं इसकी कभी परवाह नहीं करता। मुझे लगता है कि इस सप्ताह के अपने प्रदर्शन से हम काफी कुछ हासिल कर सकते हैं। हमारे बल्लेबाजों ने दो शानदार साझेदारियां निभाई। हमने नए विकेट पर बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर 450 (445) रन बनाए और जब विकेट से बल्लेबाजों को थोड़ा मदद मिल रही थी तब भारत को 250 (260) रन पर आउट करने में सफल रहे। अपने इस प्रदर्शन से हम काफी प्रेरणा दे सकते हैं।

अब जबकि श्रृंखला 1-1 से बराबर है तब भारत के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास की घोषणा करके सबको चौंका दिया, जिनमें कमिंस भी शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने कहा कि निश्चित तौर पर यह थोड़ा चौंकाने वाला रहा। वह निश्चित तौर पर बेहतरीन खिलाड़ी है। ऐसे बहुत कम ऑफ स्पिनर हैं जिन्होंने इतने लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ी। इसकी गणना सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में की जाएगी। उन्होंने कहा कि वह हमेशा शानदार प्रतिस्पर्धी रहा। ऑस्ट्रेलिया और भारत में हमारे और उसके बीच काफी रोचक प्रतिस्पर्धा हुई। हमारी टीम उसका बहुत सम्मान करती है।

कमिंस ने बारिश के कारण ड्रॉ रहे तीसरे टेस्ट मैच को निराशाजनक बताया क्योंकि खिलाड़ियों को कई बार अंदर बाहर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि हमें कई बार अंदर बाहर होना पड़ा। मुझे याद नहीं कि अतीत में कभी ऐसा हुआ होगा। यह निराशाजनक था। कमिंस ने इसके साथ ही कहा कि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल होने के कारण श्रृंखला में आगे नहीं खेल पाएंगे लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ट्रैविस हेड अगले मैच तक फिट हो जाएंगे जिनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है। उन्होंने कहा कि जोश आगे श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे जो कि निराशाजनक है। जहां तक ट्रैविस का सवाल है तो वह जल्द ही फिट हो जाएगा। उसकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है लेकिन वह मेलबर्न टेस्ट (26 दिसंबर से) तक फिट हो जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ने आगामी पाकिस्तान सीरीज के लिए टेस्ट टीम की घोषणा की

केप टाउन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को अपनी आगामी पाकिस्तान सीरीज के लिए टेस्ट टीम की घोषणा कर दी है। अनकैप्ड कॉर्बिन बॉश को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। बॉश के पास 40 से अधिक की प्रथम श्रेणी बल्लेबाजी औसत और 36.75 की गेंदबाजी औसत के साथ एक ऑल-राउंड संभावना है, और पुरुष अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले उभरते

हुए तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को शामिल किया है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज 26 दिसंबर को सेंचुरियन में शुरू होगी। सीरीज का दूसरा और अंतिम मैच 3 जनवरी से केपटाउन में खेला जाएगा।

वियान मुल्डर, जो इस सीजन की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से चूक गए थे, को भी टीम में शामिल किया गया है क्योंकि वह अपनी उंगली में फ्रैक्चर से उबरने के अंतिम चरण को पूरा कर रहे हैं। अगर ऑलराउंडर को पहले टेस्ट के लिए चुना जाता है, तो बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्ज़के को टीम से बाहर कर दिया जाएगा। पाकिस्तान के खिलाफ पहले वनडे से पूर्व कमर में गंभीर खिंचाव वाले स्पिनर केशव महाराज भी टीम में हैं, लेकिन उन्हें आगे के परीक्षणों से गुजरना होगा। दक्षिण अफ्रीका के रेड-बॉल कोच शुकरी कॉनराड ने कहा कि उनकी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल को देखते हुए सकारात्मक परिणाम हासिल करने पर केंद्रित है। फिलहाल दक्षिण अफ्रीका स्टैंडिंग में सबसे आगे है। आईसीसी ने शुकरी कॉनराड के हवाले से कहा, %हम इस सीरीज में स्पष्ट लक्ष्य के साथ उतरेंगे, जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाना होगा। हमने ऐसी टीम चुनी है जो हमें इसे हासिल करने का सबसे अच्छा मौका देती है। यह दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के लिए एक रोमांचक समय है और हम विशेष रूप से पाकिस्तान के खिलाफ इस मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं। वे हमेशा अपने प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजों के साथ एक मजबूत चुनौती पेश करते हैं और मुझे उम्मीद है कि इस बार भी ऐसा ही होगा।''

दक्षिण अफ्रीका टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जेनसन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत के दिग्गज स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को क्रिकेट के तीनों प्रारूपों से संन्यास ले लिया। आज यहां अश्विन ने गाबा टेस्ट के बाद संवाददाता सम्मेलन में अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा भी उनके साथ थे। संन्यास से पहले अश्विन ड्रेसिंग रूम में विराट कोहली के साथ बैठे नजर आए थे। इस दौरान कोहली ने उन्हें गले भी लगाया था। अश्विन एडिलेड डे नाइट टेस्ट में टीम इंडिया का हिस्सा रहे थे।

अश्विन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ÷एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के तौर पर सभी प्रारूपों में ये मेरा आखिरी मैच था। मेरे अंदर अभी भी क्रिकेट शेष है, लेकिन वो अब मैं क्लब स्तर क्रिकेट में दिखाना चाहूंगा। मैंने क्रिकेट का भरपूर आनंद लिया। रोहित और बाकी खिलाड़ियों के साथ काफी यादे है। मैं बीसीसीआई और साथी खिलाड़ियों का धन्यवाद करना चाहूंगा। कुछ लोगों के नाम भी लेना चाहूंगा। सभी कोच जो इस यात्रा का हिस्सा रहे। रोहित, विराट, रहाणे, जिन्होंने कई सारे कैच पकड़े और मुझे मेरे विकेटों को लेने में मदद की। ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट टीम को भी धन्यवाद, मैंने उनके खिलाफ खेलना हमेशा एंजॉय किया।÷

अश्विन ने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में 287 मैच खेले और 765 विकेट लिए। अश्विन भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 953 विकेट लिए हैं। आर अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 106 मैचों में 537 विकेट लिए है। उन्होंने 37 बार पांच विकेट और आठ बार उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। अश्विन ने 116 एकदिवसीय मैचों में 156 विकेट लिये। वहीं 65 टी-20 मैचों में 72 विकेट चटकाए। अश्विन ने बतौर बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 3503 रन बनाए और उन्होंने कुल छह टेस्ट शतक लगाए। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनके नाम कुल आठ शतक रहे। एकदिवसीय क्रिकेट में 707 रन और टी-20 में उनके नाम 184 रन हैं।

वेस्टइंडीज ने भारत को 9 विकेट से हराया, महिला टी20 सीरीज 1-1 से बराबर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज महिला टीम ने कप्तान हेले मैथ्यूज की शानदार पारी की बदौलत भारत को 9 विकेट से हराकर टी20 सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। यह मुकाबला नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेला गया। मैथ्यूज ने 47 गेंदों में 85 रनों की विस्फोटक पारी खेली और अपनी टीम को आसान जीत दिलाई। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में मामूली स्कोर बनाया, जिसे वेस्टइंडीज ने आसानी से एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। हार के बाद भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना ने स्वीकार किया कि उनकी टीम अपनी योजनाओं को सही ढंग से लागू नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में ऐसा होता है। परिस्थितियां हमारे पक्ष में नहीं थीं और पिच पर नमी थी, लेकिन यह कोई बहाना नहीं हो सकता। हमें गेंदबाजी में अपनी रणनीति बेहतर करनी होगी। ओस की वजह से चुनौतियां थीं, लेकिन हमें अगले मुकाबले में मजबूत वापसी करनी होगी। वहीं, वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि पिछले मैच में हमारा प्रदर्शन निराशाजनक था, इसलिए आज हमें बेहतर करना जरूरी था। हमने खेल पर नियंत्रण रखा और यह तय किया कि हम इसे मजबूती से खत्म करना है। भारत को सीमित स्कोर पर रोककर हमें लगा कि लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है। विंडीज की ऑलराउंडर डिआंड्रा डॉटिन ने भी टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह जीत हमारे दृढ़ संकल्प और बुनियादी क्रिकेट पर टिके रहने का नतीजा है।

रोहित अगर रन नहीं बनाते है तो कप्तानी छोड़ सकते है : सुनील गावस्कर

ब्रिसबेन । भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा कि मुझे लगता है कि आगामी मैचों में अगर कप्तान रोहित शर्मा की खराब फॉर्म जारी रही तो वह कप्तान छोड़ देंगे। बुधवार को यहां एक खेल चैनल से गावस्कर ने कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित को निश्चित रूप से अगले कुछ मैचों में खेलने का मौका मिलेगा, यह पक्का है। लेकिन सीरीज के अंत में अगर वह रन नहीं बना पाए तो मुझे ऐसा लग रहा है कि रोहित कुछ फैसला करेंगे। वह बहुत ही कर्तव्यनिष्ठ क्रिकेटर है, वह टीम पर बोझ नहीं बनना चाहेगा। उन्हें शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों द्वारा सामना किए जाने वाले दबावों की गहरी समझ है।' उन्होंने कहा, 'वह एक ऐसा क्रिकेटर है जो भारतीय क्रिकेट की बहुत परवाह करता है। इसलिए अगर वह अगले कुछ मैचों में रन नहीं बनाता है, तो मुझे लगता है कि वह खुद ही पद छोड़ देंगे।' उल्लेखनीय है कि रोहित एडिलेड टेस्ट में भारतीय टीम से जुड़े। इस टेस्ट में उन्होंने 23 गेंदों पर तीन रन और 26 गेंदों पर नौ रन बनाकर आउट हुए। रोहित ने तीसरे टेस्ट में भी मध्यक्रम में ही उतरने का फैसला किया। तीसरे दिन बारिश के कारण रोहित को ज्यादा देर क्रीज पर समय बिताने का मौका नहीं मिला। चौथे दिन मंगलवार को रोहित 10 रन बनाकर आउट हुए थे। रोहित इस साल प्रदर्शन खराब रहा है और उन्होंने इस साल अब तक 24 पारियों में 26.39 के औसत से 607 रन बनाए हैं।

शमीम हुसैन, मेहदी हसन मिराज के शानदार प्रदर्शन के दम पर जीता बांग्लादेश

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त

सेंट विंसेंट (एजेंसी)। शमीम हुसैन (नाबाद 35), मेहदी हसन मिराज (26) रनों की पारी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर बांग्लादेश ने दूसरे टी-20 मैच में वेंस्टइंडीज को 27 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही बंगलादेश ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। बांग्लादेश के 129 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम बांग्लादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 102 रनों पर ढ़ेर हो गई। वेस्टइंडीज के लिए रॉस्टन चेज ने सर्वाधिक (32) रनों की पारी खेली। अकील हुसैन ने (31) और जॉनसन चार्ल्स ने (14) रन बनाए।

वेस्टइंडीज के बाकी आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बांग्लादेश के लिए तसकीन अहमद ने तीन विकेट झटके। महेदी हसन, तनजीम हसन

साकिब और रिशाद हुसैन को दो-दो विकेट हासिल किए। हसन महमूद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। शमीम हुसैन को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इसके पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने महज 11 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए। कप्तान लिटन कुमार दास (तीन) और तंजिद हसन (दो) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सौम्य सरकार भी (11) रन आउट होकर पवेलियन लौट गए। मेहदी हसन मिराज और जाकेर अली ने पारी संभालने का प्रयास किया। मेहदी हसन मिराज (26) और जाकेर अली (21) रन बनाकर आउट हुए। शमीम हुसैन ने बंगलादेश के लिए 17 गेंदों में (35) रनों की पारी खेली। बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 129 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती ने दो विकेट लिए। अकील हुसैन, रॉस्टन चेज, अल्जारी जोसेफ और ओबेद मकॉए ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

गूगल बुमराह का दीवाना, पोस्ट में लिखा- मैं जस्सी भाई पर यकीन करता हूं

-दक्षिण अफ्रीका में जसप्रीत को सिराज ने दिया था जस्सी भाई नाम

नई दिल्ली, । ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) का चौथा दिन टीम इंडिया के लिए संघर्ष भरा था। भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप ने पांचवें दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम को फॉलोऑन न देकर संभावित और शर्मनाक पारी की हार को टाल दिया। फॉलो-ऑन और संभावित पारी की हार से बचने की चुनौती के साथ, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के अर्धशतकों के साथ-साथ बुमराह और आकाश दीप के बीच साझेदारी ने भारत को चौथे दिन का अंत 252/9 पर करने में मदद की। इन पारियों ने भारत को टेस्ट में लड़ने का मौका दिया। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 76 रन देकर छह विकेट लेने के बाद फैंस बुमराह के रनों का शुक्रिया अदा नहीं कर सके। आभार में शामिल होते हुए गूगल इंडिया ने भी बुमराह के लिए एक प्रशंसा पोस्ट साझा की, जिसे प्यार से जस्सी भाई कहा जाता है। गूगल इंडिया की एक पोस्ट में लिखा है- मैं केवल जस्सी भाई पर विश्वास करता हूं। एक्स पर पोस्ट में एक ट्विटर उपयोगकर्ता के पोस्ट को उद्धृत करता है, जिसने बुमराह के पहले पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस वीडियो को कैप्शन के साथ साझा किया था। गूगल इट से बेहतर वापसी का नाम बताएं। बता दें कम लोगों को ही पता है कि बुमराह को जस्सी भाई नाम सबसे पहले मोहम्मद सिराज ने दिया था। दक्षिण अफ्रीका में भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद, सिराज ने आंखों में आंसू लेकर कहा था- मुझे पता था कि केवल जस्सी भाई ही भारत के लिए ऐसा कर सकते हैं और उन्होंने हमारे लिए यह किया।

खराब फॉर्म और प्रदर्शन के चलते पृथ्वी शॉ विजय हजारे ट्रॉफी से बाहर

नई दिल्ली। टीम इंडिया से लंबे समय से बाहर चल रहे पृथ्वी शॉ को विजय हजारे ट्रॉफी की मुंबई टीम से भी हटा दिया है। खराब फॉर्म और प्रदर्शन के चलते पृथ्वी को टीम से बाहर कर दिया गया है। विजय हजारे ट्रॉफी 21 दिसंबर से शुरू होने वाली है। पृथ्वी शॉ, जिन्हें कभी भारतीय क्रिकेट का भविष्य कहा जाता था और जिन्होंने टेस्ट डेब्यू में शतक जड़ा था, फिलहाल मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। इस सत्र में उनका प्रदर्शन बेहद साधारण रहा है। रणजी ट्रॉफी के दौरान उन्हें अनुशासन और फिटनेस संबंधी कारणों से बीच टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। हालांकि, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए उनकी वापसी हुई और मुंबई ने यह खिताब जीता, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर शॉ के प्रदर्शन में सुधार नहीं दिखा। नवंबर में हुई आईपीएल नीलामी में भी शॉ को बड़ा झटका लगा था, जब किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें खरीदने में रुचि नहीं दिखाई। घरेलू क्रिकेट में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। विजय हजारे ट्रॉफी के पिछले सत्र में उन्होंने औसत प्रदर्शन किया था और इस बार टीम में उनको जगह नहीं मिली। मुंबई टीम से बाहर किए जाने के बाद पृथ्वी शॉ ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि भगवान, मुझे बताओ कि मुझे और क्या देखना है? लेकिन मैं आप पर भरोसा बनाए रखूंगा और उम्मीद है कि लोग मुझ पर विश्वास करेंगे, क्योंकि मैं निश्चित रूप से वापसी करूंगा। मुंबई टीम की कमान इस बार श्रेयस अय्यर संभालेंगे, जो 17 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। टीम में भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी शामिल किया है। वहीं, अनुभवी स्पिनर शम्स मुलानी को टीम में जगह नहीं मिली है।

आईसीसी रैंकिंग : जो रूट ने एक हफ्ते में हैरी ब्रूक से छीनी टेस्ट की बादशाहत, ये खिलाड़ी बना नंबर वन टी20 गेंदबाज

दुबई (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को टेस्ट और टी20 प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट फिर से नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एक हफ्ते में हमवतन हैरी ब्रूक से बादशाहत छीन ली। रूट के खाते में फिलहाल 895 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड वर्सेस न्यूजीलैंड तीसरे टेस्ट में 54 और 32 रन की पारी खेली थी। वहीं ब्रूक का बल्ला पूरी तरह खामोश रहा। उन्होंने मैच में महज एक रन बनाया। उनका पहली पारी में खाता नहीं खुला था। ब्रुक 876 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उन्हें 22 अंकों का नुकसान हुआ।

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन तीसरे पायदान पर हैं। उन्होंने तीसरे टेस्ट में शानदार शतक जमाया था और न्यूजीलैंड ने 434 रनों से विशाल जीत दर्ज की। विलियमनस 33वीं टेस्ट सेंचुरी ठोकने के बाद रूट से 28 रेटिंग अंक पीछे हैं। उनके 867 अंक हैं। टॉप-10 में भारत के दो बल्लेबाज हैं। यशस्वी जायसवाल चौथे और ऋषभ पंत नौवें नंबर पर हैं। भारत के खिलाफ गाबा टेस्ट में सेंचुरी मारने वाले ट्रैविस हेड पांचवें नंबर पर हैं। भात के धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली 20वें और कप्तान रोहित शर्मा 30वें स्थान पर मौजूद हैं।

अकील हुसैन बने टी20 के नंबर 1 गेंदबाज

वहीं वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के नए नंबर वन गेंदबाज बन गए हैं। उनके 707 अंक हो गए हैं। वह इंग्लैंड के आदिल रशीद को पछाड़कर टॉप पर पहुंचे हैं। रशीद के खाते में 701 अंक हैं और अब दूसरे नंबर पर हैं। अकील ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच में 13 रन देकर 2 विकेट चटकाए थे। हालांकि, वेस्टइंडीज को बांग्लादेश के हाथों 7 रन से हार का सामना करना पड़ा था। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा तीसरे और ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। टी20 गेंदबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में अर्शदीप सिंह एकमात्र भारतीय हैं। वह 657 अंकों के साथ आठवें पायदान पर हैं।

ओलंपिक की बात करते थे तो मजाक बनाते थे : योगेश्वर दत्त

नई दिल्ली। पूर्व रेसलर योगेश्वर दत्त ने बताया कि जब वह ओलंपिक की बात करते थे तो लोग उनका मजाक बनाते थे। योगेश्वर दत्त ने साल 2012 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। हाल ही में एक चैनल की समिट में पूर्व रेसलर भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपने संघर्ष पर बात की। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने कुश्ती की इमेज खराब की। ओलंपिक मेडलिस्ट ने कहा, 'कुश्ती में मेडल जीतने के लिए मैं बता नहीं सकता कि मैंने कितना संघर्ष किया है। हमें इतनी ज्यादा इंजरी हुई है। हम ये गिन गिनते भी भूल जाते हैं। हम दिन भर के 7-8 घंटे मेहनत करते थे। राजनीति भी मुश्किल है। हर खिलाड़ी चाहते हैं कि वे मेडल जीते लेकिन जिसकी किस्मत अच्छी होती है वो वहीं ओलंपिक में मेडल जीतता है।' दत्त ने आगे कहा, 'जब आप किसी दूसरे के हाथ में खेलने लग जाते हो तो ऐसा ही होता है। पहलवानों ने आंदोलन किया। उन्होंने बृजभूषण पर केस किया। आरोप लगाए। मैं मानता हूं कि जो दोषी हो उसे सजी मिलनी चाहिए। लेकिन पहलवानों ने कुश्ती को बदनाम किया। कांग्रेस ने ये सब किया। बाद में सच भी सामने आ गया कि यहां कौन गलता था।' ' योगेश्वर दत्त ने आगे कहा, ' मैं और सुशील कुमार एक साथ आए हैं जब हम ओलंपिक की बात करते थे तो लोग हमारा मजाक बनाते थे। जब हमारे कोच कहते थे कि हम मेडल लेकर आएंगे तो लोगों को लगता था कि ये झूठ बोल रहे वे मजाक बनाते थे। हमने मेहनत की और मेडल जीता। लड़कियां भी कुश्ती में अच्छा कर रही हैं वो जहां भी जा रही मेडल जीतकर आ रही है।' बता दें कि योगेश्वर दत्त को 2013 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। योगेश्वर दत्त ने सितंबर 2019 में भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन की थी। 2012 के ओलंपिक में उन्होंने 60 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उन्होंने 2010 और 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भी मेडल जीते थे।

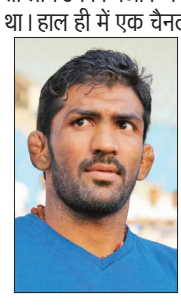

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के इस राज्य में है प्राचीन समय का अमूल्य खजाना

सनातन धर्म को प्रदर्शित करती मंदिर और मूर्तियां आकर्षण का केंद्र

छत्तीसगढ़ में पुरातात्विक महत्व के कई ऐतिहासिक और प्रसिद्ध स्थल हैं. उनमें से एक है सरगुजा का महेशपुर गांव, दुनिया की सबसे पुरानी थियेटर और शिलालेखों के लिए फेमस रामगढ़ के पास रेण नदी का तटीय क्षेत्र 8वीं शताब्दी से 13वीं शताब्दी के बीच कला और संस्कृति के अभूतपूर्व विकास का गवाह बना.

प्राचीन काल के टूटे-फूटे अवशेष सरगुजा जिले के महेशपुर और कलचा-देवगढ़ में फैले हुए हैं. शैव, वैष्णव और जैन धर्म से जुड़ी कलाकृतियों और प्राचीन टीलों की संख्या के लिहाज से महेशपुर आर्कियोलॉजिकल व्यू से बहुत महत्वपूर्ण है. छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ कई पुरातात्विक स्थल हैं. राज्य का प्राकृतिक स्वरूप और यहां छिपे हुए पुरातात्विक रहस्य लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं. इस जगह पत्थरों को तराश कर बनाई गई मंदिर और हजारों ऐसी मूर्तियां है जो सनातन धर्म को प्रदर्शित करती है.

अब तक आर्कियोलॉजिस्ट और आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट के द्वारा महेशपुर में चार टीलों की खुदाई की जा चुकी है. उन टीलों में कई मंदिरों और शिव-पार्वती की मूर्तियों के अवशेष मिले हैं. सरगुजा के उदयपुर क्षेत्र का रामगढ़, महेशपुर का इलाका भगवान राम के वन गमन और उनके वनवास के दिनों की यादों से जीवंत है. स्थानीय लोककथाओं के अनुसार जमदग्नि ऋषि की पत्नी रेणुका यहां रेण नदी के रूप में बहती हैं.

सरगुजा आने वाले सैलानियों के लिए ये स्थान आकर्षण का केंद्र हो सकता है, अंबिकापुर से रायपुर मार्ग से करीब 45 किलोमीटर की दूरी पर उदयपुर नाम का कस्बा है, इस कस्बे से ही महेशपुर जाने का मार्ग है. उदयपुर से करीब 12 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद आप महेशपुर पहुंच जायेंगे. पुरातत्व विभाग ने 2008-09 भी यहां खुदाई की थी, जिसमें अवशेषों का खजाना मिला था. इस स्थान पर पुरातत्व संग्रहालय भी बना है, लेकिन अवशेषों के संरक्षण की खास व्यवस्था नहीं है. साहित्यकार संतोष दास बताते है की उदयपुर से 12 किलोमीटर की दूरी पर महेशपुर नाम की जगह है, यहां 8 वीं से 13 वीं शताब्दी के पुरातात्विक अवशेष देखने को मिलते हैं, बहुत बड़ी संख्या में यहां पुरातात्विक अवशेष हैं, पर्यटकों के लिए ये काफी आकर्षक जगह है.

ग्रामीण बताते है की यहां अभी भी जमीन के नीचे हजारों की संख्या में अवशेष दबे हुए है, पुरातत्व विभाग को यहां फिर से खुदाई करानी चाहिये. सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए की ये धरोहर संरक्षित हो सके और सरगुजा में पर्यटन की संभावना बढ़ सके.

कुम्भलगढ़ किला, जिसे 'राजस्थान का ग्रेट वॉल' भी कहा जाता है, कुम्भलगढ़ पहाड़ी पर स्थित है। यह किला 15वीं शताब्दी में राणा कुम्भा द्वारा बनवाया गया था और यह किला मेवाड़ साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण किला था। राजस्थान का कुम्भलगढ़ किला भारतीय इतिहास और स्थापत्य कला का एक अद्वितीय उदाहरण है। यह किला राजस्थान के राजसमंद जिले में स्थित है और यह भारतीय किलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कुम्भलगढ़ किला अपनी विशाल दीवारों, भव्य वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के कारण प्रसिद्ध है। यह किला केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि राजस्थान की शाही धरोहर का प्रतीक भी है। कुम्भलगढ़ को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। आइए, जानते हैं कुम्भलगढ़ के प्रमुख आकर्षण और इसके महत्व के बारे में।

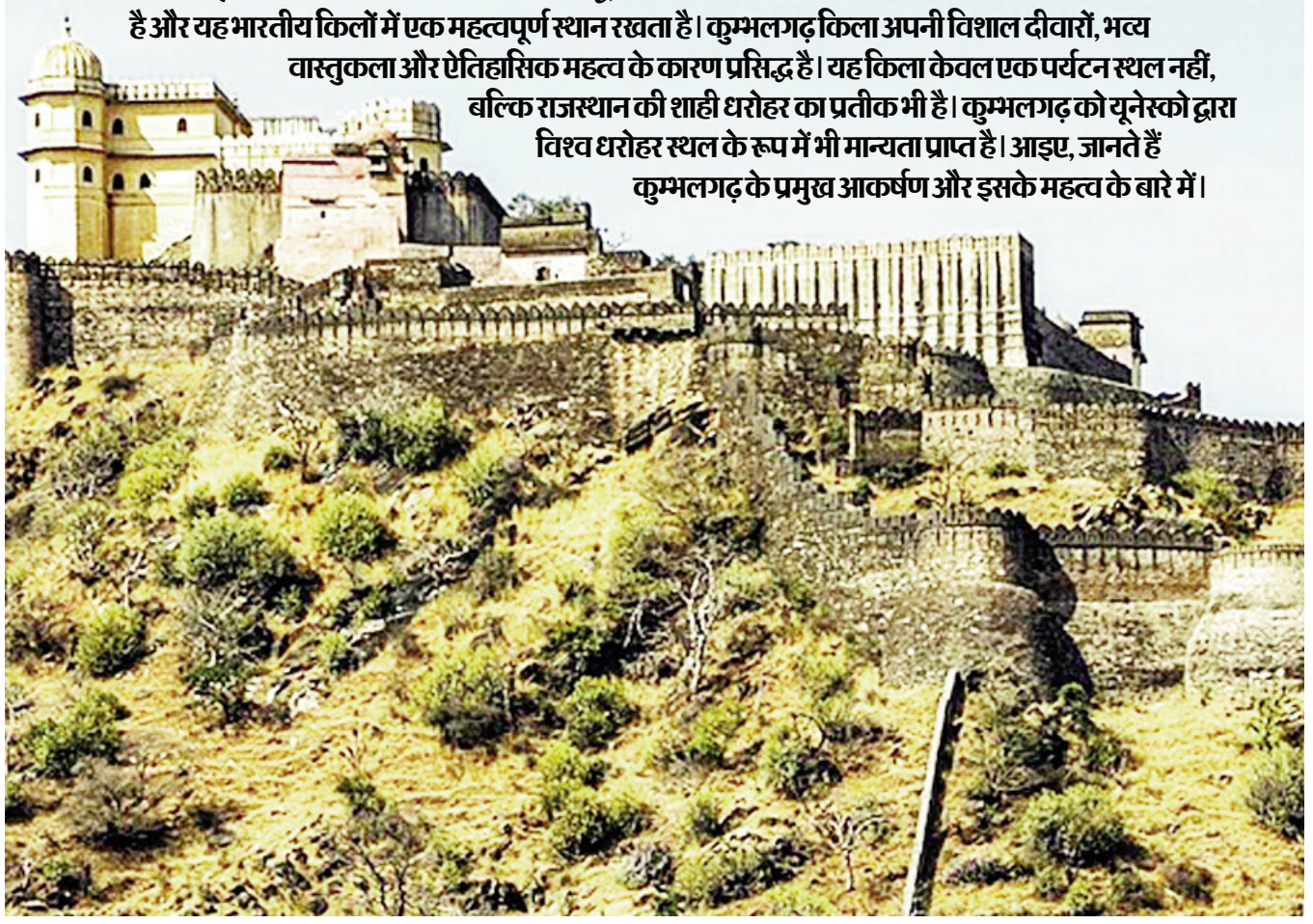

कुम्भलगढ़ पर्यटन स्थल : राजस्थान का ऐतिहासिक किला और धरोहर

1. कुम्भलगढ़ किला

कुम्भलगढ़ किला, जिसे 'राजस्थान का ग्रेट वॉल' भी कहा जाता है, कुम्भलगढ़ पहाड़ी पर स्थित है। यह किला 15वीं शताब्दी में राणा कुम्भा द्वारा बनवाया गया था और यह किला मेवाड़ साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण किला था। किले की दीवारें लगभग 36 किलोमीटर लंबी हैं, जो इसे दुनिया की दूसरी सबसे लंबी किलावाली दीवार बनाती हैं, केवल चीन की दीवार के बाद। कुम्भलगढ़ किले का किला परिसर बहुत विशाल है और इसमें कई महल, मंदिर और जलाशय हैं। किले की दीवारों पर चढ़कर आप कुम्भलगढ़ और आसपास के क्षेत्र का शानदार दृश्य देख सकते हैं।

2. बड़ी सीढ़ियाँ

कुम्भलगढ़ किले की विशाल दीवारों के आसपास बड़ी सीढ़ियाँ हैं, जिन पर चढ़ते हुए पर्यटक किले के विभिन्न हिस्सों को देख सकते हैं। इन सीढ़ियों से किले के भीतर के अन्य महलों और संरचनाओं का दृश्य अद्भुत होता है। किले की दीवारों पर बनी मजबूत संरचना यह दर्शाती है कि किले का निर्माण युद्ध की दृष्टि से बहुत ही मजबूत और प्रभावशाली था।

3. कुम्भलगढ़ किला के महल

कुम्भलगढ़ किले में कई महल स्थित हैं, जिनमें सबसे प्रमुख महल राणा कुम्भा महल है। इस महल का वास्तुशिल्प राजपूत शैली का अद्भुत उदाहरण है। इस महल में राजपूत शाही परिवार के लिए शानदार कक्ष, जलाशय और स्विमिंग पूल भी बनाए गए थे। महल के अंदर एक संग्रहालय भी है, जहाँ कुम्भलगढ़ किले के इतिहास और यहां रहने वाले शासकों के बारे में जानकारी मिलती है।

4. कुम्भलगढ़ के मंदिर

कुम्भलगढ़ किले के भीतर कई मंदिर स्थित हैं, जो किले की ऐतिहासिकता और धार्मिक महत्व को दर्शाते हैं। इनमें से कुछ प्रसिद्ध मंदिरों में लक्ष्मी नारायण मंदिर और सिद्धनाथ मंदिर हैं। इन मंदिरों में प्राचीन मूर्तियों और शिल्पकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है। ये मंदिर दर्शाते हैं कि कुम्भलगढ़ सिर्फ एक किला ही नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण स्थल था।

5. कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

कुम्भलगढ़ किले के आसपास स्थित कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य, एक शांतिपूर्ण और प्राकृतिक स्थल है। यहाँ की घने जंगलों में विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु और पक्षी पाए जाते हैं। पर्यटक यहाँ जैव विविधता का आनंद ले सकते हैं और जंगली जीवन के करीब जा सकते हैं। अभयारण्य में ट्रैकिंग और अन्य साहसिक गतिविधियाँ भी उपलब्ध हैं।

6. कुम्भलगढ़ किले का सूर्यास्त

कुम्भलगढ़ किला सूर्यास्त के समय बेहद सुंदर नजर आता है। किले की दीवारों पर चढ़कर सूर्यास्त का दृश्य देखना एक अद्भुत अनुभव होता है। यह दृश्य न केवल मनोहक है, बल्कि यह पर्यटकों को शांति और सुकून का अनुभव भी कराता है।

7. कुम्भलगढ़ में फेस्टिवल्स और इवेंट्स

कुम्भलगढ़ किले में समय-समय पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, महोत्सव और प्रदर्शन आयोजित किए जाते हैं। यहाँ का कुम्भलगढ़ महोत्सव एक प्रमुख उत्सव है, जिसमें राजस्थान की पारंपरिक संगीत, नृत्य और शिल्पकला का प्रदर्शन किया जाता है। यह महोत्सव किले के ऐतिहासिक महत्व को फिर से जीवित करता है और पर्यटकों को एक शानदार सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।

कैसे पहुंचे कुम्भलगढ़?

हवाई मार्ग : कुम्भलगढ़ का निकटतम एयरपोर्ट उदयपुर में स्थित है, जो कुम्भलगढ़ से लगभग 85 किलोमीटर दूर है। उदयपुर से टैक्सी या बस द्वारा कुम्भलगढ़ पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग : कुम्भलगढ़ का निकटतम रेलवे स्टेशन नाथद्वारा रेलवे स्टेशन है, जो कुम्भलगढ़ से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित है। आप नाथद्वारा स्टेशन से कुम्भलगढ़ के लिए टैक्सी ले सकते हैं।

सड़क मार्ग : कुम्भलगढ़ सड़क मार्ग से भी अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उदयपुर, राजसमंद और अन्य प्रमुख शहरों से कुम्भलगढ़ के लिए बसें और टैक्सियाँ उपलब्ध हैं।

सर्वोत्तम समय

कुम्भलगढ़ घूमने का सर्वोत्तम समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है, जब मौसम ठंडा और सुखद रहता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बहुत बढ़ सकता है, इसलिए इस मौसम में यात्रा करने से बचना चाहिए।सबसे अच्छे वेकेशन पैकेज कुम्भलगढ़ किला राजस्थान का एक अद्भुत पर्यटन स्थल है, जो ऐतिहासिकता, वास्तुकला, और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है। यहाँ का किला, मंदिर, वन्यजीव अभयारण्य और सूर्यास्त के दृश्य पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं। कुम्भलगढ़ ना सिर्फ एक ऐतिहासिक स्थल है, बल्कि यह शांति, सुंदरता और रोमांच का भी एक बेहतरीन मिश्रण है। अगर आप राजस्थान की समृद्ध धरोहर को जानने के इच्छुक हैं, तो कुम्भलगढ़ एक बेहतरीन यात्रा स्थल है।

कश्मीर को भी टक्कर देती हैं भारत की ये शानदार जगहें

कश्मीर अपनी खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। लेकिन कश्मीर के अलावा हमारे देश में कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनको मिनी कश्मीर कहा जाता है। ऐसे में आप भी इन जगहों पर पहुंचकर जन्नत का दीदार कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर को जन्नत कहा जाता है। ऐसे में अधिकतर लोग जन्नत यानी की जम्मू-कश्मीर के दीदार के लिए जाते हैं। खूबसूरती के मामले में यह जगह किसी हसीन जन्नत से कम नहीं है। इसलिए इस जगह पर सिर्फ भारत से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं। कश्मीर अपनी खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। लेकिन कश्मीर के अलावा हमारे देश में कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनको मिनी कश्मीर कहा जाता है।

ऐसे में आप भी इन जगहों पर पहुंचकर जन्नत का दीदार कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की ऐसी की कुछ अद्भुत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको मिनी कश्मीर के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में मौजूद तोष को भी कश्मीर नाम से जाना जाता है। हिमाचल के कुल्लु जिले में स्थित तोष में हर महीने हजारों की संख्या में पर्यटक घूमने के लिए आते हैं।

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर से अधिक ऊंचाई पर मौजूद तोष गांव खूबसूरती के मामले में जम्मू-कश्मीर से कम नहीं है। बर्फबारी के दौरान यह जगह कश्मीर की तरह लगती है। बर्फबारी के दौरान यह गांव बर्फ की चादर से ढक जाता है।

औली

उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थिति औली एक ऐसी जगह है, जहां पर घूमने का सपना सभी का होता है। यहां पर बड़े-बड़े देवदार के पेड़, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, झील-झरने और घास के मैदान औली की सुंदरता को बढ़ाने का काम करते हैं।

इस हिल स्टेशन की खूबसूरती और बर्फबारी इस कदर फेमस है कि इसको उत्तराखंड का कश्मीर भी कहा जाता है। इसको मिनी कश्मीर के नाम से जाना जाता है। औली में बर्फबारी के दौरान यहां पर काफी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यहां के नजारे बिलकुल कश्मीर की तरह लगते हैं। यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी करने का अपना ही मजा होता है।

मेचुका वैली

सिर्फ उत्तराखंड या हिमाचल प्रदेश में ही खूबसूरत जगहें नहीं हैं, बल्कि आपको देश के नॉर्थ ईस्ट इंडिया में भी मनमोहक जगहें देखने को मिलती हैं। देश के इस हिस्से में कई अद्भुत और शानदार जगहें हैं, जो जम्मू-कश्मीर को भी टक्कर देने का काम करती हैं।

बता दें कि अरुणाचल प्रदेश में स्थित मेचुका वैली एक ऐसी शानदार जगह है, जिसको नॉर्थ ईस्ट का कश्मीर माना जाता है। यहां पर घास के मैदान, मनमोहक पहाड़ और झील-झरने इस जगह की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। मेचुका वैली में जब बर्फ पड़ती है, तो पूरी वैली सफेद रंग में रंगी दिखती है। यहां के नजारे कश्मीर से कम नहीं होते हैं।

मुनस्यारी

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर से भी अधिक ऊंचाई पर स्थित मुनस्यारी बेहद खूबसूरत और मनमोहक जगह है। यह जगह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में पड़ती है। यह उत्तराखंड के टॉप हिल स्टेशन्स में से एक है। यहां पर काफी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुनस्यारी अपनी खूबसूरती के लिए काफी फेमस है। इसको मिनी कश्मीर भी कहा जाता है। बर्फबारी के दौरान यह हिल स्टेशन बर्फ की चादर से ढक जाता है और यह इस दौरान यहां पर बर्फबारी का आनंद लेने के लिए काफी पर्यटक पहुंचते हैं। वहीं एडवेंचर प्रेमियों के लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। मुनस्यारी में स्नो ट्रैकिंग पूरे भारत में फेमस है।

पश्चिम बंगाल की खूबसूरती को बढ़ाती हैं ये समुद्र तटीय जगहें

पश्चिम बंगाल देश का एक ऐसा राज्य है, जो हिमालय पर्वत से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला है। इसलिए यहां पर हर साल लाखों की संख्या में देसी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

पश्चिम बंगाल देश का एक प्रमुख और बेहद खूबसूरत राज्य है। यह भारत का चौथा और सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य है। क्षेत्रफल के हिसाब से यह देश का 13वां सबसे बड़ा राज्य माना जाता है। यह देश का एक ऐसा राज्य है, जो हिमालय पर्वत से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला है। इसलिए यहां पर हर साल लाखों की संख्या में देसी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। पश्चिम बंगाल में सैमसिंग, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, संदक्फू और कलिम्पोंग जैसे हिल स्टेशन्स के बारे में तो हर कोई जानता है।

लेकिन पश्चिम बंगाल में मौजूद खूबसूरत समुद्र तटीय जगहों के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पश्चिम बंगाल में स्थित समुद्र तटीय जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जो राज्य की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है। ऐसे में आप भी इन जगहों पर घूमने के लिए पहुंच सकते हैं।

दीघा

अगर पश्चिम बंगाल में किसी शानदार और फेमस समुद्र तटीय जगहों पर घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले दीघा पहुंचते हैं। यह जगह कोलकाता से करीब 164 किमी दूर बंगाल के टॉप डेस्टिनेशन में शामिल है।

दीघा बीच को समुद्र की हसीन लहरों के लिए जाना जाता है। यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। इस बीच की खूबसूरती मुंबई या गोवा बीच से कम नहीं है। यहां पर विदेशी पर्यटक भी पहुंचते हैं। इस बीच पर आप सूर्योदय और सुर्यास्त के भी मनमोहक नजारे देख सकते हैं।

शंकरपुर

बंगाल की खाड़ी के पास स्थित शंकरपुर राज्य का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। दीघा से करीब 15 किमी की दूरी पर यह खूबसूरत जगह स्थित है।

बता दें कि यह बेहद शांत जगह है, जहां पर आप सुकून के दो पल बिता सकते हैं। यह बंगाल के सबसे साफ-सुथरे बीचेज में से एक माना जाता है। शंकरपुर में एक तरफ समुद्र की लहरें और दूसरी तरफ सफेद रेत देखने को मिलेगी। इसके साथ ही आप यहां पर शानदार और मजेदार वॉटर स्पोर्ट्स का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

ताजपुर

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से करीब 172 किमी दूर ताजपुर एक बेहद खूबसूरत और फेमस समुद्र तटीय जगह है। यह बेहद खूबसूरत जगह राज्य के मंदारमणि और शंकरपुर के बीच स्थित है।

सैलानियों को ताजपुर बीच सबस ज्यादा आकर्षिक करता है। आप इस बीच से राज्य की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं। ताजपुर में भारत की सबसे डीप सी बंदरगाह का निर्माण किया जा रहा है। आपको यहां का सनसेट और सनराइज का बेहद शानदार नजारा मिस नहीं करना चाहिए।

मंदारमणि

बता दें कि कोलकाता से करीब 171 किमी और दीघा से 30 किमी दूर मंदारमणि गांव स्थित है। यहां पर भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

इस गांव में मंदारमणि बीच राज्य के सबसे ट्रेंडी बीच रिट्रीट में से एक माना जाता है। यहां का शांत माहौल और मनमोहक नजारा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर आप वॉटर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं। सर्दियों में घूमने के लिहाज से यह एक बेस्ट जगह है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रद्रोह मामले में कंगना रनौत आगरा कोर्ट में फिर नहीं हुईं हाजिर, अब जनवरी की दी गई तारीख

आगरा । राष्ट्रदोह के वाद में सांसद कंगना रनौत अदालत में न तो खुद आईं और न ही उनकी ओर से कोई हाजिर हुआ। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए दो जनवरी की तारीख नियत कर दी है। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने फिल्म अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का वाद दायर किया था। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए ने अधिवक्ताओं के बयान दर्ज होने के बाद विपक्षी को हाजिर होने का नोटिस भेजा था। बताई गई ट्रैक रिपोर्ट के अनुसार नोटिस उनके दोनों पतों पर डिलीवर हुए थे। कंगना रनौत पर 26 अगस्त को टीवी चौनलों पर दिए साक्षात्कार में किसानों पर अभद्र टिप्पणी करने और इसके पहले 16 नवंबर 2021 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसात्मक सिद्धांत का मजाक उड़ाने का आरोप है।

आरजेडी के वरिष्ठ नेता का विवादित बयान, अमित शाह को पागल मंत्री बता

पटना । आरजेडी के वरिष्ठ नेता शिवचंद्र राम ने केंद्रीय गृह मंत्री को लेकर विवादित बयान दिया है। पटना में आरजेडी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने अमित शाह को पागल मंत्री बताया है। दरअसल राज्यसभा में गृह मंत्री ने कहा था कि अंबेडकर-अंबेडकर करना फैशन हो गया है। इतना नाम अगर भगवान का लेते, तब सात जन्मों तक स्वर्ग मिलता। इस बयान पर बिहार में सियासत गर्म हो चुकी है। पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने कहा कि गृह मंत्री के बयान से देश की 90 प्रतिशत आबादी दुखी है। उनके बयान का राष्ट्रीय जनता दल घोर निंदा करती है। यह देश के गृह मंत्री नहीं, देश के पागल मंत्री हैं। जब बाबा साहेब का अपमान हो रहा था, तब सदन में चिराग पासवान और जीतन राम मांझी हंस रहे थे। यह दो नेता सिर्फ अपने परिवार के लिए जीते हैं। इन्हें दलित और महादलित से कोई मतलब नहीं है। राजद नेता शिवचंद्र राम ने कहा कि शाह के बयान से पिछड़ा और अति पिछड़ा के मन में बड़ी चोट पहुंची है। बीजेपी वाले संविधान के खिलाफ हैं। संविधान पर चोट पहुंचाते हैं।

मुंबई से एलीफेंटा जा रही नाव पलटी, 30 लोग डूबे, एक की मौत

मुंबई। मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से एलीफेंटा जा रही एक नाव समुद्र में पलट गई जिससे एक यात्री की डूबने से मौत होने की खबर है। ये नाव एलीफेंटा जा रही थी और नाव पर 30-35 यात्री सवार थे। इस बीच यात्रियों का बचाव अभियान जारी है। दुर्घटनाग्रस्त नाव का नाम नीलकमल है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि हादसा दो नावों के आपस में टकराने के कारण हुआ। नौसेना की 11 नावें, 3 समुद्री पुलिस नावें और एक तटरक्षक नौका मौके पर पहुंच गई है। नावों के साथ चार हेलीकॉप्टरों की मदद से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने समुद्र किनारे के नागरिकों की मदद ली है। कोस्ट गार्ड से मिली जानकारी के मुताबिक 21 यात्रियों को बचा लिया गया है। इनमें से 1 यात्री को मृत घोषित कर दिया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, नौका नीलकमल उरण के करंजा के पास पलट गई। प्रारंभिक जानकारी है कि इसमें 30 से 35 यात्री सवार हैं। नौसेना, तटरक्षक बल, येलोगेट पुलिस स्टेशन और स्थानीय मछली पकड़ने वाली नौकाओं की मदद से बचाव अभियान चल रहा है।

बिहार के 17 जिलों में शीतलहर और कोहरा का अलर्ट, टोल फ्री नंबर जारी

पटना। बिहार में शीतलहर जारी है। मौसम विभाग ने राज्य में 17 जिलों में शीतलहर और कोहरा का अलर्ट जारी किया है। उत्तर पश्चिम भारत में भीषण शीतलहर का असर बिहार में देखने को मिलेगा। भीषण ठंड को देखते हुए आपदा विभाग ने टोल फ्री नंबर जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक गुरुवार को पटना, शेखपुरा, नालंदा, जहानाबाद, मुजफ्फरपुर, पश्चिम चंपारण, सारण, सिवान, बक्सर, वैशाली, दरभंगा, बेगूसराय, समस्तीपुर, मधेपुरा, जमुई, भागलपुर और कटिहार के ज्यादतर हिस्सों में देर रात और सुबह में घना कोहरा छाया रहेगा। शीतलहर को देखते हुए टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। किसी भी आपातकालीन सहायता के लिए आपदा प्रबंधन विभाग के राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र पर संपर्क करें। हेल्पलाइन नंबर -0612-2294204/205 टोल फ्री नंबर-1070 पर किसी भी तरह की आपात स्थिति की जानकारी दे सकते हैं। बता दें कि पिछले 24 घंटे में रोहतास का डेहरी सबसे ठंडा जिला रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा वाल्मीकि नगर 11.9, गोपालगंज 10, सीतामढ़ी के पुपरी 9.3, मधुबनी 10.2, सुपौल 12.8, मुजफ्फरपुर 9.6, मधेपुरा 9.3, इन सभी जिलों में न्यूनतम तापमान में 0.1 से 0.6 डिग्री की गिरावट आई।

वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग, कटरा किया बंद

कटरा। वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के विरोध में माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने बुधवार को कटरा बंद किया। समिति ताराकोट रोपवे परियोजना का विरोध कर रही है। परियोजना को लेकर लोग सड़क पर उतर आए और इसका विरोध किया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि होटल, गेस्ट हाउस, टैक्सी, ऑटो चालकों समेत सभी दुकानदार एकत्रित हुए। इस विरोध प्रदर्शन को कांग्रेस और पीडीपी ने भी समर्थन दिया है। श्राइन बोर्ड ने ताराकोट मार्ग से सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर के मार्ग पर 250 करोड़ रुपए की लागत से यात्री रोपवे परियोजना को आगे बढ़ाने का फैसला किया था। यात्रा मार्ग के दुकानदार, पिट्ठू और पालकीवालों के साथ स्थानीय लोग इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उन्हें इसे अपनी आजीविका पर कुठाराघात बताया है। परियोजना का विरोध कर रहे लोगों का दावा है कि रोपवे कटरा के बाजार को बायपास कर देगा, जिससे तीर्थयात्रियों के आवागमन पर निर्भर हजारों दुकानदारों पर असर पड़ेगा।

वन नेशन-वन इलेक्शन- जेपीसी में कांग्रेस और अन्य दलों के नामों की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा वन नेशन-वन इलेक्शन के प्रस्ताव को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया है। अब जेपीसी का गठन लोकसभा स्पीकर को करना है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने समिति के लिए अपने-अपने सदस्यों के नाम फाइनल कर दिए हैं।

कांग्रेस ने जेपीसी में शामिल करने के लिए जिन नेताओं के नामों को फाइनल किया है, उनमें प्रियंका गांधी का नाम भी शामिल है। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस ने जेपीसी के लिए चार नाम सुनिश्चित किए हैं, जिनमें मनीष तिवारी जो कि अनुभवी वकील और वरिष्ठ नेता हैं। दूसरा नाम प्रियंका गांधी का है जो पार्टी की महिला नेतृत्व का चेहरा हैं। तीसरे हैं सुखदेव भगत जो आदिवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता हैं और चौथे रणदीप सुरजेवाला का नाम हैं जो पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार और वकील हैं।

ये चारों नेता वन नेशन-वन इलेक्शन पर कांग्रेस का पक्ष जेपीसी के मंच पर रखेंगे।

यदि अन्य दलों के संभावित सदस्यों की बात करें तो सूत्र बता रहे हैं कि डीएमके से पी. विल्सन (मशहूर वकील), टी. सेल्वागेथी हो सकते हैं, जबकि समाजवादी पार्टी से धर्मेंद्र यादव का नाम हो सकता है, जिन्होंने इससे पहले भी सपा का पक्ष रखा है। तृणमूल कांग्रेस से कल्याण बनर्जी, साकेत गोखले हो सकते हैं।

जेपीसी का गठन और कार्यप्रणाली

जेपीसी में राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य शामिल होंगे। आमतौर पर लोकसभा के सदस्य राज्यसभा के मुकाबले दोगुने होते हैं। यह समिति प्रस्तावित बिल या मुद्दे की गहन समीक्षा कर रिपोर्ट तैयार करती है। जेपीसी की रिपोर्ट के आधार पर सरकार संशोधित बिल को संसद में पेश करती है।

वन नेशन-वन इलेक्शन की संवैधानिक चुनौती

यह प्रस्ताव एक संवैधानिक संशोधन की मांग करता है, जिसके लिए सरकार को संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होगी। जेपीसी का गठन इस दिशा में आम सहमति बनाने और विपक्ष के विचारों को शामिल करने की कोशिश के तहत किया गया है।

आगे का रास्ता

जेपीसी की रिपोर्ट और चर्चा के बाद ही वन नेशन-वन इलेक्शन बिल को संसद में पेश किया जाएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि विभिन्न राजनीतिक दल इस मुद्दे पर अपनी क्या राय रखते हैं और क्या सरकार विपक्ष के साथ सहमति बना पाती है।

पंजाब के इस्लामाबाद में जोरदार धमाका! बाल-बाल बची लोगों की जान

- खालिस्तानी आतंकी हैप्पी के करीबी गैंगस्टर ने ली हमले की जिम्मेदारी!

अमृतसर। अमृतसर के थाना इस्लामाबाद में रात 3:15 पर एक जबरदस्त ब्लास्ट होने के बाद पुलिस ने तत्काल थाने के गेट बंद कर लिए। ब्लास्ट में कोई घायल नहीं हुआ है, लेकिन मौके पर तनाव महसूस किया जा रहा है। खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पसिया के करीबी गैंगस्टर जीवन फौजी ने सोशल मीडिया पर अपनी जिम्मेदारी ली है और इस घटना के पीछे अपना नाम जोड़ रखा है। जीवन फौजी ने दावा किया है कि वह पंजाब पुलिस के अनुवाद के खिलाफ बदला चाहते हैं। पुलिस कमिश्नर ने एक वीडियो में बताया कि उन्होंने आवाज सुनी थी और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने भी चेतावनी जारी की है कि पंजाब में पुलिस थानों पर आतंकी हमलों की संभावना है। इस घटना के पीछे का सच सामने आने के लिए आगे की जांच जारी है। लोगों में घबराहट और खौफ बन रहा है जबकि सुरक्षा बारें में ज्यादा जानकारी की मांग की जा रही है। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी एनआईए ए पहले ही पंजाब पुलिस को अलर्ट कर चुकी है जिसमें एनआईए द्वारा भेजी गई एक रिपोर्ट में साफ किया गया है कि पंजाब में पुलिस थानों पर आतंकी हमले की साजिश हो रही है और पुलिस को तर्क रहने की जरूरत है रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खालिस्तानी आतंकी 1984 में इस्तेमाल किए गए डैड ड्रॉप मॉडल की तर्ज पर हमला करेंगे जिसे लेकर केंद्र की सुरक्षा जनसंख्या पूरी तरह से हाई अलर्ट पर है और पंजाब पुलिस को भी अलर्ट रहने की चेतावनी दी गई थी।

अमित शाह के बयान पर विवाद के बाद बोलीं मायावती-दलितों के लिए बस एक ही भगवान आंबेडकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ (ईएमएस)। गृह मंत्री अमित शाह के राज्यसभा में भीम राव आंबेडकर को लेकर दिए गए बयान पर अब राजनीति गर्मा गयी है। अब इस विवाद पर बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की भी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व सीएम मायावती ने इस पूरे मामले को लेकर बीजेपी और कांग्रेस पर हमला बोला है। पूर्व सीएम मायावती ने एक्स पर लिखा-'कांग्रेस व बीजेपी एण्ड कम्पनी के लोगों को बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की आड़ में अपनी राजनैतिक रोटी सेंकने की बजाय, इनका पूरा आदर-सम्मान करना चाहिये। इन पार्टियों के लिए इनके जो भी भगवान हैं उनसे पार्टी को कोई ऐतराज नहीं है। लेकिन दलितों व अन्य उपेक्षितों के लिए एकमात्र इनके भगवान केवल बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर हैं, जिनकी वजह से ही इन वर्गों को जिस दिन संविधान में कानूनी अधिकार मिले हैं, तो उसी दिन इन वर्गों को सात जन्मों तक का स्वर्ग मिल गया था।'

बसपा सुप्रीमो ने आगे लिखा-'अतः कांग्रेस, बीजेपी आदि पार्टियों का दलित व अन्य उपेक्षितों के प्रति प्रेम विशुद्ध छलावा. इनसे इन वर्गों का सही हित व कल्याण असंभव. इनके कार्य दिखावटी ज्यादा, ठोस जनहितैषी कम. बहुजन समाज व इनके महान संतों, गुरुओं, महापुरुषों को समुचित आदर-सम्मान बीएसपी सरकार में ही मिल पाया।' गौरतलब है कि राज्यसभा में मंगलवार को गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा था कि अभी एक फैशन हो गया है अंबेडकर..अंबेडकर कू अंबेडकर कहना। इतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्म तक स्वर्ग मिलता। अमित शाह के इस बयान पर विपक्ष बीजेपी पर निशाना साध रहा है और अमित शाह से माफी मांगने और इस्तीफे की मांग कर रहा है।

पांच गांवों में बाघों की दहशत, लोगों की नींद हुई हराम... वन विभाग दिन-रात जांच में जुटा

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के करीब घूम रहा बाघ बुधवार सुबह कटौली, जमालनगर, बनिया खेड़ा, लीला खेड़ा और लक्ष्मण खेड़ा गांवों में दिखाई दिया। इससे इन गांवों में दहशत का माहौल है। सूचना पर वन विभाग की टीम ने पगमार्क का निरीक्षण कर थर्मल ड्रोन कैमरे से काफी देर निगरानी की, लेकिन बाघ दिखाई नहीं दिया। इसके पहले एक बाग में नीलगाय के बच्चे का शिकार भी किया था। फिलहाल अफसरों का अनुमान है कि बाघ सीतापुर से जंगल के रास्ते लखनऊ में दाखिल हुआ है।

वन विभाग की टीम दोपहर में जमालनगर भी पहुंची और लोगों को जागरूक किया। जमालनगर गांव निवासी ने बताया कि सुबह करीब 7:30 बजे खेतों की तरफ बाघ आया नजर आया। वहीं डीएफओ सितांशु पांडे ने बताया कि काकोरी के गुरदीनखेड़ा, गोहरामऊ और करझन में बाघ के पगमार्क मिले थे। इस तरह केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के 10 किमी के दायरे वाले गांवों में ही बाघ के पगमार्क मिले हैं। उस रेस्क्यू करने के लिए 12 ट्रैप कैमरे और दो पिंजरे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी पगमार्क 13×14 सेमी के हैं। इससे माना जा रहा है कि बाघ वयस्क है। उसकी उम्र तीन साल से अधिक है।

डीएफओ पांडेय ने बताया कि अभी बाघ को ट्रैप करने की कोशिशें जारी हैं। विभाग की टीमें दिन-रात निगरानी कर रही हैं। फिलहाल बाघ को पिंजरे में ट्रैप करने की कोशिश की जा रही है। ट्रैंकुलाइजर को आखिरी विकल्प के तौर पर रखा गया है। लखनऊ जू के पूर्व निदेशक आरके सिंह ने बताया कि आमतौर वयस्क होने के बाद बाघ को कुनबे से अलग किया जाता है। इसके बाद वे अपना नया इलाका बनाने के लिए निकलते हैं, लेकिन रास्ते की समझ न होने के कारण कई बार भटक जाते हैं। अमूमन सीतापुर, पीलीभीत और लखीमपुर से बाघ लखनऊ आते हैं। बाघ के लिए गोमती किनारे-किनारे लखनऊ आना भी आसान होता है। बाकी जिलों में रेस्क्यू किए गए बाघ आमतौर पर पीलीभीत के जंगल से भटके थे। बाघ का मूवमेंट रात में होता है। ये दिन में छिपकर रहते हैं और आसपास के इलाके में एडजस्ट कर लेते हैं। थोड़ा सा भी खतरा महसूस होने पर घंटों बिना आवाज किए छिपे रहते हैं। इनके पंजे गद्दीदार होते हैं। ऐसे में चलने पर आवाज भी नहीं होती। वहीं रहमानखेड़ा में दिखे बाघ ने अभी तक किसी मवेशी का शिकार नहीं किया है। वह जंगली जानवर का ही शिकार कर रहा है। नीलगाय मारकर खाने के बाद वह कई दिन आराम से छिपकर रह सकता है। इस कारण भी वह ट्रेस नहीं हो पा रहा। इंसानी बस्ती में बाघ के आदमखोर होने की आशंका ज्यादा रहती है, लेकिन हर बाघ के आदमखोर होने की बात सही नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक, जिस बाघ में ज्यादा उम्र के कारण शिकार करने की ताकत नहीं होती या जो शारीरिक रूप से कमजोर या बीमार हो, वे आदमखोर बनते हैं।

बच्चों का रंग रूप बदलकर निःसंतान दंपत्ति को बेचने वाला गिरोह धराया

*** देश भर में मानव तस्करी से जुड़ा है ये गिरोह**

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो छोटे बच्चों को चुराकर और कृत्रिम रूप से उनका रंग-रूप बदलकर उन्हें जरूरतमन्दों को बेच देता था. मुंबई की माटुंगा पुलिस के जाँच में ये खुलासा हुआ है कि इस गिरोह ने तीन लड़कियों और दो लड़कों को 3.8 लाख रुपये में बेचा था. यह गिरोह बच्चों के रंग और चेहरे-मोहरे के आधार पर पैसे तय करता था। बाद में इन बच्चों को जरूरतमंदों को बेच दिया जाता था। बच्चों को अधिक सुंदर, गोरा और बड़ा दिखाने के लिए विभिन्न प्रकार के बेबी हार्मोन का उपयोग किया जाता था। पुलिस के मुताबिक गिरोह में नौ महिलाओं के साथ दस अन्य आरोपी शामिल हैं. नौ महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है. यह बात सामने आई है कि ये नौ महिलाएं और दस अन्य देश भर में मानव तस्करी से जुड़े हुए हैं. ये लोग मानव तस्करी गिरोह के लिए काम करते हैं. इसके अलावा यह गिरोह ऐसे लोगों को भी ढूंढता है जो निःसंतान हों। ऐसे लोग तलाश कर इन चुराए गए बच्चों को ऊंची कीमत पर बेच देते हैं. इसके अलावा, गिरोह पीड़ितों को वेश्यावृत्ति, भीख मांगने और अन्य शोषणकारी गतिविधियों के लिए मजबूर करता है। लड़कियों को समय से पहले बड़ा किया जाता है, हार्मोन के इंजेक्शन लगाए जाते हैं और फिर बेच दिया जाता है। अब इस पूरे मामले में पुलिस को इन आरोपियों से मानव तस्करी के शिकार लड़के, लड़कियों, किशोरों और कुछ वयस्कों की सूची मिली है और सूची के अनुसार जांच चल रही है. वहीं पुलिस ने कर्नाटक से अपहृत बच्चे को छुड़ा लिया है और 10 लोगों को हिरासत में लिया है. बताया गया है कि माटुंगा पुलिस को दादर के तिलक ब्रिज के नीचे फुटपाथ पर रहने वाली एक महिला की एक महीने की बेटी को 1 लाख रुपये में बेचा जा रहा है। जांच करने पर पुलिस को जानकारी मिली कि महिला के पति को पुलिस ने एक मामले में गिरफ्तार किया था. उसकी जमानत के लिए एक लाख रुपये की जरूरत थी. पैसे नहीं होने पर महिला ने अपनी बेटी को बेच दिया। इस जानकारी के आधार पर पुलिस को पता चला कि पूरे गिरोह का अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है.

एमवीए की हार के बाद सपा का ऐलान, बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेंगे

*** महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी का दावा- अखिलेश से हो चुकी बात**

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी ने दावा किया कि बीएमसी चुनाव सपा अकेले ही लड़ेगी। महाविकास अघाड़ी से पूरी तरह से किनारा करने पर अबू आजमी ने कहा कि हम सेक्युलर लोग हैं। बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किया गया, ऐसा करने वाले लोगों को कोर्ट अपराधी मानता है, वहीं कुछ लोग कहेंगे कि हम उनको बधाई देना चाहते हैं। यह संविधान के खिलाफ है और ऐसे लोगों के साथ समाजवादी पार्टी नहीं रह सकती है। उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से इस पर बात हो गई। बीएमसी का चुनाव सपा अकेली लड़ेगी।

महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में उठ रहे मुद्दे को लेकर अबू आजमी ने कहा कि हमने बस ड्राइवरों का मुद्दा उठाया। कुर्ला में एक बस एक्सीडेंट में 8 की मौत हो गई और 43 लोग घायल हुए थे। पता चला कि ड्राइवर एक्सपर्ट नहीं था और उसकी ट्रेनिंग सही तरीके से नहीं हुई थी। वहीं मानखुर्द शिवाजी नगर में हुए एक एक्सीडेंट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने दिखाया कि बस रोकर शराब खरीदी जा रही है। कई लोगों ने दिखाया कि बस की सीट के नीचे शराब की बोतल रखी है। ऐसे में यह लापरवाही है और लोगों की जान जा रही है। हमारी मांग है कि जो कंपनी ड्राइवर को ट्रेनिंग दे रही है, उसको ब्लैकलिस्ट किहया जाए और हत्या का मुकदमा चलाया जाए।

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर एनसीपी के वरिष्ठ नेता शरद पवार की नाराजगी के सवाल पर अबू आजमी ने कहा कि अजित पवार महायुति का हिस्सा हैं। वह उपमुख्यमंत्री हैं, लेकिन कहीं दिख नहीं रहे हैं। मंत्रियों की नाराजगी को लेकर उन्होंने कहा कि यह फैसला मुख्यमंत्री का होता है। उन्हें अच्छे से पता होगा कि उनके लिया क्या बेहतर है। मेरा कहना है कि जो भी आएं, वह समाज के सभी लोगों के साथ इंसाफ करें, जैसी शपथ उन्होंने ली है।

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव का आरोप, विभाजनकारी राजनीति करती है भाजपा

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने भाजपा पर मुद्दों के राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाकर कहा कि यह लोग कब्रिस्तान, शमशान, ईद, जिन्ना और पाकिस्तान जैसे मुद्दों को लेकर राजनीतिक लाभ अर्जित करने जुटे हैं।

उन्होंने कहा, देश में हर चुनाव के वक्त यह मुद्दे फिर से उठाए जाते हैं, ताकि लोगों के बीच नफरत फैला सके और एक विभाजन हो, ताकि वोट बैंक की राजनीति हो सके। उन्होंने कहा, आप देखिए, बीजेपी के नेता हरियाणा जाते हैं, तब जाट को, पंजाब जाते हैं, तब सिख को, महाराष्ट्र जाते हैं, तब मराठी को, यूपी और बिहार जाते हैं, तब यादव को, इन सभी को यह अपने हिसाब से ढालने

की कोशिश करते हैं। हर राज्य में अलग-अलग मुद्दे खड़े किए जाते हैं, ताकि हर जगह धर्म और जाति के नाम पर चुनावी फायदे की राजनीति हो। यह जो काम है, यह किसी भी देश या समाज में स्थिरता नहीं ला सकता है, बल्कि यह समाज को और अधिक विभाजित करता है।'

उन्होंने कहा, अगर आप अमेरिका, जर्मनी, जापान जैसे देशों में जाते हैं, तब वहां पर किसी भी धर्म पर विवाद नहीं होता। वहां विकास, शिक्षा, रोजगार पर चर्चा होती है। लेकिन, यहां पर हमारे नेताओं का ध्यान केवल धर्म, जाति और नफरत फैलाने पर है। उन्होंने कहा, जब बात आती है आरक्षण की, तब मैं यह कहना चाहता हूं कि जो 67 फीसदी आरक्षण की बात हो रही है, वह पूरी तरह से सही है। हम यह नहीं कह रहे कि मुसलमानों को आरक्षण चाहिए, बल्कि हम यह कह रहे हैं कि दलितों, आदिवासियों, और अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारों को सम्मान देना चाहिए।'

सांसद पप्पू यादव ने कहा कि किसानों का मुद्दा, बेरोजगारी का मुद्दा, यह सब छुपा दिया जाता है। चुनावी समय में सिर्फ इसतरह के मुद्दे उठाए जाते हैं जो समाज में घृणा फैलाते हैं। असल मुद्दों पर कभी बात नहीं होती। उन्होंने कहा, ÷चुनाव आयोग की भूमिका भी हमेशा संदिग्ध रही है। जब चुनाव आयोग को शक्ति देने की बात होती है, तब उसका दुरुपयोग हो सकता है।

9वीं क्लास के छात्रों का पसंदीदा विषय बना एआई, सीबीएसई स्कूलों में हो रहा बहुत लोकप्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिक एजुकेशन में एक बड़ा बदलाव दिख रहा है। अब 9वीं क्लास के छात्र आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) को एक लोकप्रिय और पसंदीदा विषय के रूप में अपना रहे हैं। मोदी सरकार ने एआई वर्चुअल रियालिटी (वीआर) और मिक्स्ड रियलिटी (एमआर) जैसी उभरती तकनीकों को स्किल इंडिया इकोसिस्टम में शामिल किया है, ताकि छात्रों को बेहतर करियर के मौके मिल सकें। ये नई तकनीकें अब छात्रों के कौशल को निखारने और भविष्य की चुनौतीपूर्ण दुनिया के लिए उन्हें तैयार करने में मदद कर रही हैं।

2019 में सीबीएसई ने अपने स्कूलों में एआई विषय की शुरुआत की थी और अब ये विषय स्कूलों में बेहद लोकप्रिय होता जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 2024-25 सत्र में 4538 स्कूलों के 7,90,999 छात्रों ने 9वीं-10वीं में एआई को विकल्प के रूप में चुना है। इसके अलावा 944 स्कूलों के 50,343 छात्रों ने सीनियर सेकंडरी लेवल पर एआई को विषय के रूप में चुना है। स्कूलों में एआई और मशीन लर्निंग (एमएल) कोर्स की डिमांड बढ़ रही है। कई छात्र एआई और एमएल में स्पेशलाइजेशन के बाद बैचलर ऑफ साइंस (बीएससी) जैसे कोर्स कर रहे हैं। इसके अलावा एनसीईआरटी ने 11वीं क्लास की कंप्यूटर साइंस की किताबों में एआई और एमएल को शामिल किया है जिससे छात्रों को इन तकनीकों के बारे में गहरी समझ मिल रही है।

यूनिवर्सिटी स्तर पर उभरती तकनीकों का विकल्प

यूनिवर्सिटी स्तर पर भी एआई, एमएल, 3डी मशीनिंग, बिग डेटा एनालिसिस और ड्रोन टेक्नोलॉजी जैसे उभरते हुए कोर्सेज की बहुत डिमांड है। ये कोर्स छात्र को नई तकनीकों के बारे में ज्ञान प्रदान करते हैं और उन्हें आने वाले समय में रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करते हैं। सीबीएसई से जुड़े करीब 30,373 स्कूलों में से 29,719 स्कूलों में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार है जो 98 प्रतिशत स्कूलों के बराबर है। इसका मतलब है कि सीबीएसई के अधिकांश स्कूलों में छात्रों को एआई और एमएल जैसे तकनीकी विषयों को सीखने के लिए जरूरी उपकरण और संसाधन उपलब्ध हैं।

एआई और एमएल जैसे तकनीकी कोर्सेज की बढ़ती मांग के कारण इनकोर्सेज में छात्रों की रुचि लगातार बढ़ रही है। साथ ही एमआर (मिक्स्ड रियलिटी) एक उभरती हुई तकनीक है जो वीआर(वर्चुअल रियलिटी) और एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) का संयोजन करके एक नया अनुभव प्रदान करती है। इसमें वास्तविक दुनिया की जानकारी को डिजिटल जानकारी के साथ मिलाकर छात्रों को नई तकनीकी दुनिया का अनुभव कराया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

जॉर्जिया के पर्वतीय रिसॉर्ट गुदौरी के रेस्तरां में 12 भारतीय मृत मिले : भारतीय मिशन

त्बिलिसी, एजेंसी। जॉर्जिया के पर्वतीय रिसॉर्ट गुदौरी के एक रेस्तरां में 12 भारतीय नागरिक मृत पाए गए. यहां स्थित भारतीय मिशन ने यह जानकारी दी. जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शुरुआती जांच में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के कोई संकेत नहीं मिले. स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि सभी पीड़ितों की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता से हुई है. त्बिलिसी में स्थित भारतीय मिशन ने कहा कि सभी 12 पीड़ित भारतीय नागरिक थे. हालांकि, जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि मृतकों में 11 विदेशी हैं जबकि एक उसका नागरिक था. बयान के मुताबिक, सभी मृतक उक्त भारतीय रेस्तरां में बतौर कर्मचारी काम कर रहे थे और उनके शव दूसरी मंजिल पर स्थित शयन कक्षों में पाए गए. भारतीय मिशन ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''मिशन को अभी-अभी जॉर्जिया के गुदौरी में 12 भारतीय नागरिकों की मौत की जानकारी मिली है. शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना. मिशन मारे गए भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है. हर संभव सहायता दी जाएगी. स्थानीय पुलिस ने जॉर्जिया की आपराध संहिता की धारा 116 के तहत जांच शुरू की है. यह धारा लापरवाही से मौत से जुड़ी है. पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक, शयन कक्षों के पास एक बंद स्थान में विद्युत जनरेटर रखा गया था, जिसे संभवतः शुक्रवार रात को विद्युत आपूर्ति बंद होने के बाद चालू किया गया था.उसने बताया कि 'मौत का सटीक कारण' जानने के लिए फोरेंसिक जांच भी की जा रही है.

कनाडाई पीएम ट्रूडो को झटका, वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड का इस्तीफा

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा की वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने इस्तीफा दे दिया है. कनाडा के पीएम

जस्टिन ट्रूडो की सबसे शक्तिशाली मंत्री थीं. फ्रीलैंड ने सोमवार को घोषणा की कि वह कैबिनेट से इस्तीफा दे रही हैं, क्योंकि ट्रूडो लोकप्रियता में गिरावट से जूझ रहे हैं. ट्रूडो सरकार की सबसे ताकतवर मंत्री फ्रीलैंड के इस्तीफे को तगड़ा झटका माना जा रहा है. फ्रीलैंड, जो उप प्रधानमंत्री भी थीं, ने कहा कि ट्रूडो ने उन्हें शुक्रवार को बताया था कि वह अब उन्हें वित्त मंत्री के रूप में काम करते हुए नहीं देखना चाहते हैं और उन्होंने मुझे कैबिनेट में एक और पद की पेशकश की. फ्रीलैंड ने कहा कि इस प्रस्ताव पर चिंतन करने के बाद मैंने निष्कर्ष निकाला है कि मेरे लिए मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना ही एकमात्र ईमानदारी वाला रास्ता है. फ्रीलैंड ने ट्रूडो को एक्स पर पोस्ट किए गए एक पत्र में कहा, पिछले कई हफ्तों से, आप और मैं कनाडा के लिए आगे बढ़ने के सर्वोत्तम रास्ते को लेकर असमंजस में हैं. वहीं स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि फ़्रीलैंड और ट्रूडो अस्थायी कर छूट और अन्य व्यय उपायों के प्रस्ताव पर भिड़ गए थे. वहीं बताया जा रहा है कि फ्रीलैंड के स्थान पर बैंक ऑफ कनाडा के पूर्व गवर्नर मार्क कार्नी को नया वित्त मंत्री बनाया जा सकता है. कार्नी इससे पूर्व पीएम ट्रूडो के आर्थिक सलाहकार के रूप में भी काम कर चुके हैं. हालांकि कार्नी को वित्त मंत्री बने के लिए हाउस ऑफ कॉमन्स के निर्वाचित सदन में एक सीट से चुनाव लड़ना होगा.

अपार्टमेंट के ऊपर हाइवे, जहां धड़ल्ले से दौड़ती हैं गाड़ियां

बीजिंग, एजेंसी। विज्ञान के साथ ही इंसान ने काफी ज्यादा तरक्की कर ली है, अब इंसान के द्वारा ऐसे-ऐसे नमूने तैयार कर दिए जाते हैं जिस विश्वास नहीं होता है. लेकिन इन दिनों एक वीडियो सामने आया है जिसमें जहां घर की छत पर हाइवे बना हुआ है. इतना ही नहीं, इस पर गाड़ियां और बसें फर्राटा भरती नजर आ रही हैं. वायरल वीडियो में एक सड़क दिखाई पड़ रही है. इस पर वाहन तेजी से गुजर रहे हैं. लेकिन इस पर जरा सा नीचे देखने पर आपको दिखाई देगा कि बिल्डिंग्स हैं. इतना ही नहीं अपार्टमेंट के ठीक ऊपर ओवरब्रिज बना हुआ है, जिस प गाड़ियां दौड़ रही हैं. वहीं अपार्टमेंट भी खाली नहीं है बल्कि इसमें लोग परिवार के साथ रहते हैं. वायरल वीडियो चीन का बताया जा रहा है. इसको इंस्टाग्राम पर itschina.baby नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है. इस वीडियो को अब तक 9 लाख से अधिक लोग देख चुके हैं और 19 हजार से अधिक लोग पसंद कर चुके है. इसको लेकर एक यूजर ने लिखा- वो तो सब ठीक है लेकिन छत पर कपड़े कैसे सूखेंगे? वहीं एक अन्य यूजर ने कहा कि यदि भूकंप आ गया तो? वहीं अधिकतर यूजर्स का कहना था कि चीन को ओवरब्रिज पर इतना अधिक भरोसा?

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने डोमिनिक लेब्लांक को कनाडा का नया वित्त मंत्री नियुक्त किया

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डोमिनिक रहे लेब्लांक ने सोमवार को ओटावा के रिड्यू हॉल में वित्त मंत्री पद की शपथ ली। नए वित्त मंत्री ने समारोह के बाद कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता कनाडाई लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करना और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करना होगा। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के खास सहयोगी लेब्लांक हाल ही में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ट्रूडो संग रात्रिभोज में शामिल हुए थे। 57 वर्षीय न्यू ब्रंसविक पहली बार 2000 में चुने सांसद गए, वह पूर्व गवर्नर-जनरल रोमियो लेब्लांक के बेटे हैं। लेब्लांक ने कहा कि वह अंतर-सरकारी मामलों के मंत्री का पद अपने पास रखेंगे। इससे पहले क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने ट्रूडो को लिखे एक पत्र में सोमवार सुबह अचानक वित्त मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि वे देश के लिए सर्वोत्तम रास्ते को लेकर असमंजस में हैं। लिबरल सरकार का आर्थिक अपडेट सोमवार दोपहर जारी किया गया, जिससे पता चला कि घाटा 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष के लक्ष्य से बहुत बड़ा था। अपने त्याग पत्र में फ्रीलैंड ने खुलासा किया कि ट्रूडो ने उन्हें पिछले सप्ताह सूचित किया था कि वह अब उन्हें इस भूमिका में नहीं देखना चाहते हैं और इसके बजाय उन्हें एक और कैबिनेट पद की पेशकश की थी। ट्रूडो ने इस्तीफे पर तुरंत कोई

प्रतिक्रिया नहीं दी। ट्रूडो सरकार कथित तौर पर प्रतिक्रिया में बढ़ी हुई सीमा सुरक्षा और निगरानी में निवेश करने की योजना विकसित कर रही है, लेकिन ट्रंप के सख्त रुख का दबाव भी महसूस कर रही है। फ्रीलैंड द्वारा दिए जाने वाले आर्थिक अपडेट में सरकार सोमवार को कनाडा की संसद में सीमा योजना का विवरण पेश करने वाली थी। फ्रीलैंड का भी सरकारी खर्च को लेकर ट्रूडो के साथ मतभेद था और उनके इस्तीफा देने के बाद अपडेट का विवरण सामने आया। ये अपडेट तब आए हैं, जब ट्रूडो की लिबरल पार्टी चुनाव की तैयारी कर रही है जो अगले साल अक्टूबर के अंत से पहले होना चाहिए। ट्रूडो ने कहा है कि उनकी योजना पार्टी के शीर्ष पर बने रहने की है। उदारवादियों के पास पूर्ण बहुमत नहीं है, यदि सहयोगी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी अपना समर्थन खींच लेती है तो इससे किसी भी समय एक नया चुनाव हो सकता है। इस बीच ट्रंप की जीत ने घरेलू चिंताओं को जन्म दिया है कि कनाडा वैश्विक सत्ता-विरोधी रुझानों के अधीन हो सकता है, जो लोकलुभावन पियरे पोइलिव्रे के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को 2015 के बाद पहली बार सत्ता में देख सकता है। लगभग एक दशक तक सत्ता में रहने के बाद सितंबर में ट्रूडो की अनुमोदन रेटिंग घटकर केवल 33 प्रतिशत रह गई। कौन हैं डोमिनिक लेब्लांक 2015 में लिबरल पार्टी की जीत के बाद से लेब्लांक कई प्रमुख कैबिनेट पदों पर काम कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने सरकार के सार्वजनिक सुरक्षा प्रमुख और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री के रूप में कनाडा के अरबों डॉलर के बॉर्डर प्रोग्राम को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। डोमिनिक लेब्लांक पिछले महीने कनाडा के प्रधानमंत्री के साथ फ्लोरिडा में भावी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने भी गए थे। इससे पता चलता है कि वह अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। वह कनाडा-अमेरिका कैबिनेट समिति का भी नेतृत्व करेंगे, जो पद पहले फ्रीलैंड सम्भाल रही थीं। क्रिस्टिया फ्रीलैंड का इस्तीफा इस बीच वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड के इस्तीफे के बाद देश में राजनीतिक अराजकता फैल गई है और प्रधानमंत्री ट्रूडो के नेतृत्व के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। फ्रीलैंड ने कई मुद्दों पर ट्रूडो की नीतियों का विरोध किया था। उन्होंने कहा है कि वह इसलिए इस्तीफा दे रही हैं क्योंकि प्रधानमंत्री ने उनसे दूसरा पद संभालने के लिए कहा था। गौरतलब है कि 56 साल की फ्रीलैंड देश की उप प्रधानमंत्री के रूप में भी काम कर चुकी हैं।

रूसी बलों के साथ मिलकर लड़ रहे उत्तर कोरिया के करीब 30 सैनिक मारे गए

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी ने दावा किया कि रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में सप्ताहांत यूक्रेनी सेना के साथ युद्ध में उत्तर कोरिया के करीब 30 सैनिक या तो मारे गए या फिर गंभीर रूप से घायल हो गए। 'जीयूआर' नामक एजेंसी ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक कुर्स्क के तीन गांवों के आसपास मारे गए। कुर्स्क वह सीमावर्ती क्षेत्र है, जहां रूस पिछले चार महीने से कब्जा करके बैठी यूक्रेनी सेना को खदेड़ने की कोशिश कर रहा है। 'जीयूआर' ने बताया कि कुर्स्क के एक अन्य गांव के आसपास कम से कम तीन उत्तर कोरियाई सैनिक लापता हो गए। यूक्रेनी के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है। लगभग तीन वर्ष से जारी युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौत की यह पहली खबर है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेसकोव ने दावों से संबंधित सवाल रूसी रक्षा मंत्रालय को भेजे हैं हालांकि अब तक कोई टिप्पणी नहीं आई है। अमेरिका के रक्षा विभाग और यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, उत्तर कोरिया ने युद्ध में मदद के लिए लगभग 10,000 सैनिक रूस भेजे हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने पारस्परिक रक्षा समझौते के तहत रूस को युद्ध के लिए अटूट समर्थन का वचन दिया था।

जेलेंस्की और पुतिन से नरसंहार रुकवाने के लिए बात करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से

लगभग तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए बात करेंगे। ट्रंप के मुताबिक वो इस नरसंहार को रुकवाने की कोशिश करेंगे। जनवरी में ट्रंप के व्हाइट हाउस में प्रवेश से पहले ही दोनों पक्षों में जंग में बढ़त हासिल करने की होड़ लगी है। हालांकि अमेरिका से समर्थन प्राप्त करने वाले देश यूक्रेन को इस बात की भी चिंता है कि उसे क्षेत्र की शांति के बदले कुछ रियायतें देने को मजबूर होना पड़ सकता है।

दरअसल ट्रंप, जो बाइडेन प्रशासन द्वारा मास्को के खिलाफ कीव को प्रदान की गई अरबों डॉलर की सहायता को लेकर सवाल खड़े करते रहे हैं। दोनों देश के राष्ट्रपतियों से बात कर नरसंहार को रोकने की बात डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। ट्रंप ने कहा, हम राष्ट्रपति पुतिन से बात करेंगे साथ ही हम जेलेंस्की और यूक्रेन के प्रतिनिधियों से भी बात करेंगे। उन्होंने युद्ध का जिक्र करते हुए कहा, हमें इसे रोकना होगा, यह नरसंहार है। टिप्पणी ऐसे समय में की गई है जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन में अपनी सेना के आगे बढ़ते रहने के कदम की सराहना करते हुए कहा था कि ये वर्ष ऐतिहासिक रहा। बता दें कि ट्रंप ने बार-बार दावा किया है कि वह संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने पर काम करेंगे। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वह ऐसा कैसे करेंगे।

ज्ञात हो कि ट्रंप ने इस महीने पेरिस में फ्रांसीसी नेता इमैनुएल मैक्रों द्वारा आयोजित एक बैठक में जेलेंस्की से मुलाकात की थी, जिसके बाद यूक्रेनी नेता ने दावा किया था कि कीव एक स्थायी शांति और सुरक्षा गारंटी की मांग कर रहा है। यूक्रेन के मित्र और पड़ोसी देश पोलैंड ने सोमवार को अपील की कि कीव को शांति वार्ता के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। पोलैंड के विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोर्स्की ने कहा कि ऐसा करने के लिए पीड़ित को नहीं बल्कि हमलावर को प्रोत्साहित और मजबूर किया जाना चाहिए।

अमेरिका : विस्कॉन्सिन के स्कूल में गोलीबारी में तीन की मौत, हमलावर भी मारा गया

विस्कॉन्सिन, एजेंसी। अमेरिका के विस्कॉन्सिन के मैडिसन में एक क्रिश्चियन स्कूल में सोमवार को गोलीबारी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए. घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. गोलीबारी के कारणों का पता नहीं चल सका है. हमलावर स्कूल का नाबालिग छात्र बताया जा रहा है. उसकी भी मौत हो गई. मैडिसन पुलिस प्रमुख शॉन बार्न्स के अनुसार गोलीबारी करने वाला संदिग्ध नाबालिग स्कूली छात्र भी घटनास्थल पर मृत पाया गया. संदिग्ध हमलावर स्कूल का स्टूडेंट मालूम पड़ता है. अग्निशमन प्रमुख क्रिस कार्बन के अनुसार सोमवार को विस्कॉन्सिन के मैडिसन स्थित एक स्कूल में हुई गोलीबारी के बाद कम से कम सात लोगों को क्षेत्रीय अस्पतालों में ले जाया गया. उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अग्निशमन विभाग को सुबह करीब 10:57 बजे (स्थानीय समयानुसार) स्कूल भेजा गया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस गोलाबारी में छह अन्य लोग घायल हो गए. इसमें दो छात्र की हालत गंभीर बताई जा रही है. चार छात्र अन्य क्षेत्र के अस्पतालों में भी हैं. पहले चार लोगों को बचाव दल द्वारा सेंट मैरी अस्पताल ले जाया गया और तीन अन्य को विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के अस्पतालों में ले जाया गया।

जस्टिन ट्रूडो को छोड़ना पड़ेगा पीएम पद? पार्टी के 60 सांसद चाहते हैं विदाई; इस्तीफा दे चुके हैं 5 मंत्री

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर इस्तीफा देने का दबाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। उपप्रधानमंत्री और वित्त मंत्री क्रिस्टिना फ्रीलैंड के इस्तीफे के बाद जस्टिन ट्रूडो बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। अब उनकी पार्टी के ही सांसद उन्हें कमजोर प्रधानमंत्री बताने लगे हैं। कनाडा की मीडिया के मुताबिक ट्रूडो ने अभी निर्णय नहीं लिया है कि वह इस्तीफा देंगे या फिर पद पर बने रहेंगे। हाउस ऑफ कॉमन्स में 153 सीटों के साथ लिबरल पार्टी की सरकार थी। इनमें से 60 सांसद चाहते हैं कि जस्टिन ट्रूडो पद छोड़ दें। सोमवार को कॉकस की बैठक में जस्टिन ट्रूडो को कड़ा विरोध झेलना पड़ा। क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह भले ही जस्टिन ट्रूडो के लिए मुश्किल घड़ी हो लेकिन कनाडा के लिए अच्छा समय आने वाला है। उन्होंने कहा, शुक्रवार को ही ट्रूडो ने कह दिया था कि वह उन्हें वित्त मंत्री के तौर पर नहीं रखना चाहते बल्कि कोई और पद देने को तैयार हैं। ऐसे में मैंने ईमानदारी का रास्त चुना और इसलिए इस्तीफा दे दिया।

जस्टिन ट्रूडो ने अपने करीबी डॉमिनिक लेब्लांक को नया वित्त मंत्री बनाने का फैसला किया है। इस बीच जस्टिन ट्रूडो ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, प्रधानमंत्री के रूप में आपकी सेवा करना मेरे लिए गर्व की बात है। इसलिए मैं रोज सुबह उठकर सबसे पहले यही विचार करता हूं कि कनाडा के लोगों के लिए इस देश को कैसे बेहतर बनाया जाए। यहां भी जस्टिन ट्रूडो ने कोई

संकेत नहीं दिया कि वह पद पर बने रहेंगे या फिर इस्तीफा दे देंगे।

कनाडा का विपक्ष मांग करने लगा है कि तुरंत चुनाव करवाए जाएं। विपक्ष के नेता पियरे पाइलिवरे ने कहा, ट्रूडो में किसी का भरोसा नहीं बचा है, यहां तक कि उनके कैबिनेट मंत्री भी उनपर भरोसा नहीं करते हैं। केवल जगमीत सिंह को ही उनपर भरोसा है। बता दें कि हाउस ऑफ कॉमन्स में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी ने जस्टिन ट्रूडो का ही साथ दिया था। इस बारे में जगमीत सिंह ने कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन उन्होंने अगली बार अविश्वास प्रस्ताव के दौरान जस्टिन ट्रूडो का साथ देने की बात भी नहीं कही है।

बता दें कि फ्रीलैंड का अचानक इस्तीफे का ऐलान कर देना जस्टिन ट्रूडो के लिए बड़ा झटका है। इस साल ट्रूडो के पांच कैबिनेट मिनिस्टर इस्तीफा दे चुके हैं। इनमें से चार ने यह भी कह दिया है कि वे अगले आम चुनाव में मैदान में नहीं उतरेंगे। इसके अलावा कनाडा अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर भी चुनौती का सामना कर रहा है। जस्टिन ट्रूडो को ही इसके लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को 25 फीसदी टैरिफ लगाने की वॉर्निंग दे दी है। इसके अलावा भारत से भी कनाडा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

जस्टिन ट्रूडो की बढ़ती अलोकप्रियता की वजह से पार्टी के अंदर से उनके इस्तीफे की मांग उठ रही है। 2025 में ही कनाडा में आम चुनाव होने हैं। ऐसे में पार्टी के सांसदों को लगता है कि नेतृत्व में बदलाव जरूरी है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आम चुनाव में पार्टी को झटका लग सकता है।

कंगाल पाकिस्तान पर कर्ज का बोझ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, 70.36 ट्रिलियन पीकेआर की देनदारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। बढ़ते आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तान का कर्ज मौजूदा वित्तवर्ष के पहले आठ महीनों में पाकिस्तानी रुपए (पीकेआर) 4,304 अरब तक बढ़ गया है. एआरवाई न्यूज ने आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला देते यह रिपोर्ट दी. रिपोर्ट के अनुसार जो लोन फरवरी में 64.810 ट्रिलियन पीकेआर से अधिक था वह अक्टूबर में बढ़कर 69.114 ट्रिलियन पीकेआर तक पहुंच गया. उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में टैक्स ईयर एक जुलाई से 30 जून तक होता है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि के दौरान डोमेस्टिक लोन में 4,556 अरब पाकिस्तानी रुपये की वृद्धि हुई जबकि फॉरेन लोन में 251 अरब पाकिस्तानी रुपये की कमी आई. परिणामस्वरूप डोमेस्टिक लोन अक्टूबर तक 47.231 ट्रिलियन पीकेआर रहा जो फरवरी में 42.675 ट्रिलियन पीकेआर था. दूसरी ओर फॉरेन लोन उसी अवधि के दौरान 22.134 ट्रिलियन पीकेआर से घटकर 21.884 ट्रिलियन पीकेआर हो गया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले सप्ताह विश्व बैंक ने पाकिस्तान को दिए जाने वाले 500 मिलियन

अमेरिकी डॉलर से अधिक के बजट सहायता ऋण को रद्द कर दिया था. इसका कारण बताया गया कि इस्लामाबाद चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत बिजली खरीद समझौतों में संशोधन सहित प्रमुख शर्तों को समय पर पूरा करने में विफल रहा था. वाशिंगटन के लोन प्रदाता ने यह भी घोषणा की है कि वह चालू वित्त वर्ष के दौरान कोई नया बजट सहायता ऋण उपलब्ध नहीं कराएगा. इससे पाकिस्तान को और बढ़ झटका लगा है. उसके दो बिलियन अमेरिकी डॉलर के नए लोन को पाने की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इस निर्णय का मुख्य कारण यह है कि पाकिस्तान ने अपना ऋण कोटा काफी हद तक समाप्त कर लिया है. रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर में पाकिस्तान सरकार का कर्ज पाकिस्तानी मुद्रा (पीकेआर) 70.36 ट्रिलियन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया जो एक चौंका देने वाला आंकड़ा है. इससे देश की आर्थिक स्थिरता को लेकर चिंताएं पैदा हो रही हैं. स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में ही संघीय ऋण में 1,448 बिलियन पाकिस्तानी रुपये की वृद्धि हुई।

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने की प्रियंका की तारीफ, फलस्तीन लिखा बैग लेकर संसद पहुंचने पर दिया बयान

इस्लामाबाद, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के फलस्तीन लिखा बैग लेकर संसद पहुंचने के कदम की पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने तारीफ की है। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद हसन चौधरी ने एक्स पर प्रियंका गांधी के बैग के साथ तस्वीर साझा की है। उन्होंने लिखा कि जवाहर लाल नेहरू जैसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पोती से क्या उम्मीद की जा सकती है? प्रियंका बौने लोगों के बीच तनकर खड़ी हुई हैं। यह बेहद शर्मनाक है कि किसी पाकिस्तानी सांसद ने आज तक ऐसा साहस नहीं दिखाया। फलस्तीन लिखा लेकर बैग संसद आई थीं प्रियंका कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार को संसद में एक बैग लेकर पहुंची थी, जिस पर फलस्तीन लिखा हुआ था, जो संघर्ष प्रभावित क्षेत्र के लोगों के समर्थन में एक इशारा था। प्रियंका गांधी वाड्रा के हैंडबैग पर फलस्तीन शब्द और फलस्तीनी प्रतीक दिखाई दिए, जिसमें एक तरबूज की भी तस्वीर दिखी - जिसे फलस्तीनी एकजुटता के प्रतीक के रूप

में देखा जाता है।

इस्राइल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठा चुकी हैं प्रियंका : प्रियंका गांधी वाड्रा गाजा पर इस्राइल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठा रही हैं और उन्होंने फलस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त की है। इससे पहले जून महीने में, प्रियंका गांधी ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना की थी, क्योंकि उन्होंने कहा था कि इस्राइल सरकार गाजा में नरसंहारकारी कार्रवाई कर रही है, और उन्होंने उन पर और उनकी सरकार पर बर्बरता का आरोप लगाया था।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने तख्तापलट का लगाया आरोप, कहा- देंगे कड़ी सजा

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डा सिल्वा ब्रेन सर्जरी के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं. उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और 2022 में तख्तापलट की कोशिश में शामिल लोगों को कड़ी सजा देने का ऐलान किया है. लूला के डिस्चार्ज होने के तुरंत बाद सिरियो लिबनेस अस्पताल में यह प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई जो पिछले सप्ताह हुई सर्जरी के बाद से उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी. उनकी मेडिकल टीम और प्रथम महिला रोसांगेला डा सिल्वा उनके साथ मौजूद थीं. लूला ने हिरासत में लिए गए रिटायर जनरल वाल्टर ब्रागा नेट्टो का जिक्र करते हुए कहा, मेरा मानना ??है कि जनरल ब्रागा को निर्दोष होने का पूरा अधिकार है. ब्रागा ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो के अधीन रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया था. जांच में हस्तक्षेप करने के प्रयास के आरोपी ब्रागा नेट्टो को सुप्रीम फेडरल कोर्ट के आदेश के बाद शनिवार को गिरफ्तार कर किया गया. फेडकरल पुलिस के अनुसार, बोल्सोनारो कथित तौर पर 2022 में लूला को राष्ट्रपति पद संभालने से रोकने के लिए तख्तापलट की योजना बना रहे थे. समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार लूला ने कहा कि राष्ट्रपति की हत्या की साजिश में उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों का शामिल होना अस्वीकार्य है. छुट्टी मिलने के बाद लूला गुरुवार तक साओ पाओलो स्थित अपने आवास पर काम करेंगे. उसके बाद उन्हें राजधानी ब्रासीलिया की यात्रा के लिए परमिट प्राप्त करने के लिए सीएटी स्कैन कराना होगा, ताकि वे प्लानाल्टो पैलेस में अपना काम फिर से शुरू कर सकें. 79 वर्षीय लूला ने गंभीर

सिरदर्द की शिकायत की थी, जब उनके मस्तिष्क और मेनिन्जियल झिल्ली के बीच हेमेटोमा पाया गया तो उन्हें इमरजेंसी सर्जरी के लिए भर्ती किया गया था. डॉक्टरों ने पुष्टि की कि हेमेटोमा से कोई चोट या अन्य बीमारियां नहीं हुई हैं.

यह मामला अक्टूबर महीने के अंत में राष्ट्रपति निवास, पैलेसियो डा अलवोराडा में लूला के गिरने से जुड़ा था, जब उनके सिर के पिछले हिस्से में चोट लगी थी और पांच टांके लगे थे, जिसके कारण उन्हें रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने की अपनी यात्रा को ऐन मौके पर कैंसिल करना पड़ा था. ब्राजील के सामाजिक संचार सचिव पाउलो पिमेंटा ने पुष्टि की है कि डा सिल्वा 2026 में फिर से चुनाव लड़ेंगे. सीएनएन ब्राज़ील के साथ एक इंटरव्यू में, पिमेंटा ने आश्वासन दिया कि दिमाग में हुए रक्तस्राव के उपचार के बाद राष्ट्रपति का स्वास्थ्य अच्छा है. उन्होंने कहा कि वह देश का नेतृत्व जारी रखने के लिए सबसे योग्य और तैयार व्यक्ति हैं।

छात्रों को पढ़ना-लिखना सीखना चाहिए न कि हिंसा, स्कूल में गोलीबारी पर भड़के राष्ट्रपति बाइडन : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विस्कोंसिन में एक स्कूल में हुई गोलीबारी की घटना पर राष्ट्रपति जो बाइडन ने चिंता जाहिर की। बाइडन ने कहा कि स्कूल में बच्चों को पढ़ना-लिखना सीखना चाहिए न कि बंदूक चलाना और हिंसा करना। बाइडन ने देश में बढ़ रही बंदूक संस्कृति को लेकर भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि देश की संसद को इस बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है। स्कूल में गोलीबारी की घटना पर हैरानी और दुख जताते हुए बाइडन ने कहा कि ऐसी घटनाएं बिल्कुल अस्वीकार्य हैं और हम अपने बच्चों की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं। व्हाइट हाउस से जारी बयान में कहा गया कि आज विस्कोंसिन के मेडिसन के परिवार अपनों को खोने के दुख में हैं। हम चाहते हैं कि संसद इस पर तुरंत कोई कदम उठाए। बयान में कहा गया कि न्यूटन से लेकर उवाल्डे, पार्कलैंड और मेडिसन तक स्कूलों में गोलीबारी की कई ऐसी घटनाएं हुई हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन रेलवे स्टेशन पर ओवरब्रिज की रेलिंग पर लटके चार टपोरीं की पुलिस ने कान पकड़वा कर माफी मंगवाई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सचिन रेलवे स्टेशन के ओवरब्रिज की दादरानी रेलिंग पर लटके चार टपोरीं ने मस्करी और अव्यवस्था की। इन युवकों ने एक वीडियो रील के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हुए रेलिंग पर मस्ती की और न केवल अपने, बल्कि अन्य यात्रियों के जीवन को भी खतरे में डाला। उनका यह व्यवहार प्लेटफॉर्म पर मौजूद लोगों के लिए परेशानी का कारण बना।

पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत कार्रवाई शुरू की गई और चारों टपोरीं को कुछ ही घंटों में पकड़ लिया गया। पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की और सभी टपोरीं ने लंगड़ाते हुए कहा कि वे भविष्य में ऐसा नहीं करेंगे और सभी ने कान पकड़कर माफी मांगी।

सचिन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर विशाल बनवारी चौहान, नांकू चौहान, विशाल गुप्ता और राहुल ठाकुर नामक चार युवा दादर के पास एकत्र होकर मस्करी और अव्यवस्था करते हुए नजर आए। वे एक-दूसरे के साथ बेतुकी हंसी-मजाक कर रहे थे और गुजरते हुए यात्रियों पर तंग करने वाली टिप्पणियां कर रहे थे। उनका यह हल्के और अपमानजनक व्यवहार न केवल यात्रियों को परेशान कर रहा था, बल्कि उनके और दूसरों के जीवन के लिए भी खतरनाक साबित हो सकता था।

ये युवा सिर्फ मस्करी तक सीमित नहीं थे, बल्कि रेलवे प्लेटफार्म पर खतरनाक स्टंट भी कर रहे थे। वे ट्रेन के आना-जाना करते समय बेखौफ दौड़-भाग रहे थे, जिससे यात्रियों में डर पैदा हो रहा था। उनके इन जोखिमपूर्ण स्टंट और अव्यवस्थित व्यवहार ने स्टेशन पर अफरातफरी का माहौल बना दिया था।

यात्रियों में से किसी ने इस घटना की सूचना सचिन पुलिस को दी थी। तत्पश्चात, सचिन पुलिस के स्टाफ ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर चारों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि इन चारों युवकों के खिलाफ सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सभी की गिरफ्तारी की और कड़ी कार्रवाई की। इसके बाद सभी टपोरीं ने लंगड़ाते हुए कहा कि वे भविष्य में ऐसा कृत्य नहीं करेंगे और कान पकड़कर माफी मांगी।

चोरों ने किम यूनियन बैंक में सेंध ग्राहकों के लॉकर तोड़े, 9 लाख नकद और 49 तोला सोना लेकर फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

किम चौराहे के पास सोमवार देर रात यूनियन बैंक की दीवार में सेंध लगाकर धूम स्टाइल में की गई बड़ी चोरी से जिला पुलिस सतर्क हो गई है। चोरों ने ठंडे दिमाग से लॉकर तोड़कर चोरी को अंजाम दिया। इस घटना को लेकर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, 9 लाख नकद और 49 तोला सोने की चोरी हुई है, और यह आंकड़ा अभी बढ़ सकता है। घटना के चलते बैंक के लॉकर धारकों में डर का माहौल है।

जिला पुलिस की नींद उड़ाने वाली इस घटना की जांच के लिए अब सात टीमें बनाई गई हैं और विभिन्न दिशाओं में तेजी से जांच शुरू कर दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, पालोद चौकी के पास किम की ओर जाने वाली सड़क पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखा स्थित है।

यह शाखा सूरत के एक मकान मालिक द्वारा बैंक को किराए पर दी गई है।

मकान मालिक ने बैंक के पास एक और कमरा अपने पास रखा हुआ है।

यूके में मंगेतर की हत्या का मामला,सजा लेस्टर कोर्ट ने दी थी,अब सूरत जेल में

28 साल की सजा हुई,4 साल यूके में काटे और अब लाजपोर जेल में;अंतरराष्ट्रीय संधि का पहला मामला

मामूली मतभेद में मर्डर,भाविनी,जिसकी 2020 में हत्या कर दी गई यूके के अधिकारियों ने दिल्ली में भारतीय पुलिस को आरोपी को सौंपा।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की लाजपोर जेल में हाल ही में एक अनोखा और चर्चित मामला सामने आया है, जिसमें यूके के लेस्टर कोर्ट द्वारा आजीवन कारावास की सजा पाए कैदी जिगु सोरठिया को भारत की जेल में ट्रांसफर किया गया है। यह ट्रांसफर यूके और भारत सरकार के बीच हुई अंतरराष्ट्रीय संधि के समझौते के तहत किया गया है। यह घटना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस संधि के तहत कैदी ट्रांसफर का यह शायद पहला दस्तावेज़ीकृत मामला माना जा रहा है।

कैदी जिगु सोरठिया एक भयानक हत्या के मामले के कारण कुख्यात है। वर्ष 2020 में, यूके के लेस्टर शहर में जिगु ने अपनी मंगेतर भाविनी प्रवीण की क्रूरता से हत्या कर दी थी। उसने चाकू से हमला कर भाविनी की जान ले ली थी। इस घटना ने न केवल यूके में, बल्कि जिगु के वतन भारत में भी सनसनी मचा दी थी।

इस निर्मम और बर्बर हत्या के मामले में लेस्टर कोर्ट ने जिगु को 28 साल की आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। कोर्ट के फैसले के दौरान की गई टिप्पणियां इस मामले की गंभीरता को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। कोर्ट ने कहा था कि यह हत्या अत्यंत भयावह है, और उसकी मंगेतर का जीवन, जो एक सुंदर भविष्य की ओर बढ़ रहा था, क्रूरता से छीन लिया गया।

4 साल तक यूके की जेल में सजा काटने के बाद, जिगु सोरठिया के परिवार ने उसे वतन भारत की जेल में स्थानांतरित करने के लिए सरकार से अपील की। इसके लिए यूके और भारत के बीच हुए अंतरराष्ट्रीय समझौते के तहत कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई। दोनों देशों के अधिकारियों और दूतावास के समन्वय के बाद इस ट्रांसफर को मंजूरी दी गई।

पिछले 16 दिसंबर को, ब्रिटिश एस्कॉर्ट स्टाफ ने जिगु को सुरक्षित रूप से यूके से दिल्ली पहुंचाया। उस समय सूरत पुलिस का एक विशेष अधिकारी दल, जिसमें डिप्टी एसपी और पीआई सहित अधिकारी शामिल थे, कैदी को अपने कब्जे में लेने के लिए दिल्ली पहुंचा। यहां यूके और भारत के पुलिस अधिकारियों के बीच कैदी के हस्तांतरण की कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।

इस पूरी प्रक्रिया के दौरान, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कैदी को कब्जे में लेने के सभी चरणों की वीडियोग्राफी और दस्तावेजीकरण किया गया। इन चरणों में यूके पुलिस ने कैदी जिगु सोरठिया को भारत के सूरत पुलिस अधिकारियों को सौंप दिया। इसके बाद, सूरत पुलिस ने कैदी को ट्रेन के माध्यम से सूरत लाया।

17 दिसंबर की सुबह, सूरत पुलिस ने कैदी जिगु सोरठिया को लाजपोर जेल के अधिकारियों को सौंप दिया। लाजपोर जेल के सूत्रों के अनुसार, ट्रांसफर के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए विशेष सतर्कता बरती गई।

यह मामला अनोखा है, क्योंकि यह भारत और यूके के बीच हुए संधि समझौते के तहत किए गए संभावित पहले कानूनी ट्रांसफर की प्रक्रिया है। इस समझौते के तहत, कोई भी कैदी अपनी शेष सजा अपने वतन में काटने के लिए आवेदन कर सकता है। दोनों सरकारों और दूतावासों के सहयोग से इस प्रक्रिया को अंजाम दिया गया, और प्रक्रिया को कानूनी रूप से पारदर्शी रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए।

इस मामले की पृष्ठभूमि एक युवा जोड़े के टूटे हुए संबंधों से जुड़ी है। जिगु और भाविनी ने 2017 में सिविल मैरिज के बाद यूके में रहना शुरू किया था। वे विधिवत शादी करने की योजना बना रहे थे, लेकिन शादी से पहले पैदा हुए मतभेदों के कारण भाविनी ने शादी करने से इनकार कर दिया। इस बात से क्रोधित होकर जिगु ने भाविनी की चाकू से कई वार कर हत्या कर दी।

इस हत्या के कारण लेस्टर शहर में लोगों ने इस कृत्य की कड़ी निंदा की थी। हत्या के तुरंत बाद जिगु ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बाद, वहां की अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

सूरत के हीरा उद्योग में मंदी का असर, रत्न कारीगर ने की आत्महत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना क्षेत्र में एक और रत्न कारीगर ने आत्महत्या कर ली है। 25 वर्षीय अनिकेत दीपक ठाकुर, जो विजय नगर में परिवार के साथ रह रहे थे, दिवाली के बाद बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। उन्हें काम नहीं मिल रहा था, जिससे वे मानसिक तनाव में आ गए थे। अंतत: उन्होंने तापी नदी में कूदकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिवाली के बाद आर्थिक समस्याएँ शुरू हो गई थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत के उधना विजयनगर क्षेत्र में परिवार के साथ 25 वर्षीय अनिकेत दीपक ठाकुर रहते थे। अनिकेत काफी समय से रत्नकला कारीगर के रूप में काम कर रहे थे और परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। दिवाली के छुट्टियों के बाद उन्हें काम नहीं मिला, जिससे आर्थिक समस्याएँ शुरू हो गईं। बेरोज़गारी से परेशान होकर, कल अनिकेत दीपक ठाकुर ने तापी नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली।

युवक कई जगहों पर नौकरी ढूंढ रहा था, लेकिन काम नहीं मिल रहा था। मृतक के चाचा सुधाकरभाई ने बताया कि अनिकेत दीपक ठाकुर सूरत के उधना क्षेत्र के विजयनगर में अपने परिवार के साथ रहता था। परिवार में उसकी माता-पिता और बहन थी। अनिकेत पिछले 5 वर्षों से हीरे का काम कर रहा था और परिवार का खर्चा चला रहा था। हाल ही में दिवाली की छुट्टियों के बाद जहां वह काम करता था, वह कारख़ाना बंद हो गया था। इसके बाद उसने दूसरी जगह काम ढूंढने की कोशिश की, लेकिन काम नहीं मिल रहा था।

परिवार का भरण-पोषण कैसे करेगा, इस चिंता में उसने आत्महत्या कर ली। तीन दिन पहले उसने घर के सदस्यों से कहा था कि काम ढूंढने जा रहा है, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिवार के सदस्य उसे ढूंढने निकले थे। तब अनिकेत ने केबल ब्रिज से ताप्ती नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली। अनिकेत की मौत के बाद परिवार में शोक का माहौल है। काम नहीं मिलने के कारण अनिकेत निराश हो गया था और वह इस चिंता में था कि परिवार का भरण-पोषण कैसे करेगा, इसी कारण उसने आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने पूरे मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि अनिकेत का परिवार मूल रूप से महाराष्ट्र का था और वे सूरत में किराए के मकान में रह रहे थे। अनिकेत परिवार का एकमात्र बेटा था।

>> श्रीमद् भागवत कथा में उमड़ा भक्तों का सैलाब

ये जीवन है तेरे हवाले... ओ मुरलियावाले-गौरव कृष्ण गोस्वामी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन भक्तों का सैलाब उमड़ा। कथा शुरू होने के समय ही पूरा पंडाल भक्तों से खचाखच भर गया। व्यासपीठ से वृंदावन के गौरव कृष्ण गोस्वामी जी महाराज ने कहा की कलियुग में जो भी भगवान के चरणों में आ गया वो कभी खाली हाथ नहीं जाएगा। व्यक्ति के मन में लोभ आ जाता है तो वो बड़े से बड़ा ग़लत काम करवा देता है। लोभ सभी रिश्ते खत्म कर देता है। कृष्ण गोस्वामी जी महाराज ने अर्जुन और अश्वथामा की कथा सुनाते हुए कहा की शिष्य प्रिय एवं आज्ञाकारी हो तो गुरु उसको अपने बेटे से भी ज़्यादा ज्ञान देते है।

आयोजन में भागवत कथा के पश्चात विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय गायक कलाकार आकाश करनानी के अलावा हिसार से आमंत्रित कृष्णा गावा एवं समस्तीपुर से आमंत्रित रेशमी शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम, सचिव राजेश दोदराजका, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश तोदी सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें।

SMC वेरा वसूली मुहिम दक्षिण क्षेत्र-बी (कनकपुर) में 1.08 करोड़ रुपये की वसूली।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मु. कमिश्नर श्री के आदेशानुसार, सूरत महानगरपालिका दक्षिण क्षेत्र-बी (कनकपुर) के आकलन और वसूली विभाग द्वारा जोन के विभिन्न क्षेत्रों में 16/12/2024 और 17/12/2024 को वेरा वसूली के लिए विशेष मुहिम शुरू की गई। इस दौरान वेरा वसूली नहीं करने वाले करदाताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई और 1.08 करोड़ रुपये की वसूली की गई, साथ ही एडवांस चेक की वसूली भी की गई।

इस अभियान के तहत सूरत महानगरपालिका दक्षिण क्षेत्र-बी (कनकपुर) के विभिन्न क्षेत्रों में बार-बार नोटिस भेजकर कर का भुगतान करने के लिए सूचित किया गया था, लेकिन फिर भी कुछ संपत्ति मालिकों ने कर का भुगतान नहीं किया। इसके बाद दक्षिण क्षेत्र-बी (कनकपुर) के उन और सचिन क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्रों जैसे होजीवाला इंडस्ट्रियल, पी.एम. धम्मनवाला, वी.एम. धम्मनवाला, मीत एंड मीर, माधव पार्क, सुदा सेक्टर-1, 2, 3 में विशेष वसूली ड्राइव चलाकर वेरा वसूली की कड़ी कार्रवाई की गई।

दक्षिण क्षेत्र-बी (कनकपुर) के आकलन और वसूली विभाग द्वारा निरंतर वसूली मुहिम के चलते इस वित्तीय वर्ष में अब तक 33.35 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। अभी भी जो करदाता संपत्ति कर/व्यवसाय कर की भुगतान में लापरवाही कर रहे हैं, उनके संपत्तियों को सील करने और जल कनेक्शन काटने जैसी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसलिए बकायेदारों से आग्रह किया गया है कि वे अपना बकाया संपत्ति कर शीघ्र भुगतान करें।

अलथाण रोड पर एक निर्माण स्थल पर 10वीं मंजिल से गिरने से एक युवक की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

यह घटना तब घटी जब 40 वर्षीय विकासचंद्र भोला नाथ विश्वकर्मा, जो यूपी के सुलतानपुर के निवासी थे, एल्यूमिनियम सेक्शन फिट कर रहे थे। वे श्रीजी प्रवेश सोसाइटी में अपने परिवार के साथ रहते थे और एक पुत्र और एक पुत्री सहित अपने परिवार का पालन पोषण करते थे। सोमवार शाम को वे अलथाण रोड स्थित रिगालिया साइट पर 10वीं मंजिल की बालकनी में ग्लास सेक्शन की पट्टी फिट कर रहे थे। इस दौरान किसी कारणवश उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नीचे गिर गए। गंभीर रूप से घायल विकासचंद्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में दुर्घटनाग्रस्त मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।